▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 294 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 25-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'कंप्रोमाइज्ड' प्रधानमंत्री 'करीबी मित्र' को खुश करने में लगे हैं : कांग्रेस

6 राजनीति सनातन विरोध की बजाय आम मुद्दों पर केंद्रित हो

7 इतियाज अली की फिल्म में काम करके बदली शरवरी की सोच

फर्स्ट टेक

पुरी जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार की वस्तुओं की सूची बनाने का काम जून तक टला

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रशासन ने भीषण गर्मी और 'चंदन यात्रा' (ग्रीष्मकालीन उत्सव) से जुड़े अनुष्ठानों को देखते हुए 'रत्न भंडार' में मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने का काम जून तक के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने संवाददाताओं को बताया कि हालांकि, मंदिर प्रशासन ने पहले 26, 28, 29 और 30 मई को चार और दिनों के लिए सूची बनाने का काम जारी रखने का फैसला किया था, लेकिन भीषण गर्मी और 'चंदन यात्रा' (ग्रीष्मकालीन उत्सव) से जुड़े अनुष्ठानों को देखते हुए अब यह काम जून तक के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

केरल में भारी बारिश, 12 जिलों में अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को राज्य के एक जिले में 'ऑरेंज' अलर्ट और 11 अन्य जिलों में 'येलो' अलर्ट जारी किया। विभाग ने एर्नाकुलम जिले में दिनभर के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया। इसने पलक्कड़ और वायनाड को छोड़कर राज्य के 11 जिलों में 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है। 'ऑरेंज' अलर्ट का मतलब 11 से 20 सेंटीमीटर (सेमी) तक बहुत भारी बारिश जबकि 'येलो' अलर्ट का मतलब छह से 11 सेंटीमीटर तक भारी बारिश है। तेज हवाओं और बारिश से राज्य के कुछ हिस्सों में संपत्ति और वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

पंजाब के फिरोजपुर में 28 किलो से अधिक हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर के गुरुहरसहाय में चार लोगों को गिरफ्तार करके मादक पदार्थ की सीमा पार तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 28.12 किलोग्राम हेरोइन और 9.5 लाख रुपए नकद बरामद किए। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस गिरोह के विदेशी तस्करों से संबंध थे, जिन्होंने आरोपियों को मादक पदार्थ की खेप कथित तौर पर प्राप्त करने और उसे भारतीय क्षेत्र में वितरित करने का काम सौंपा था। डीजीपी ने बताया कि मादक पदार्थ की सीमापार तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए जांच जारी है।

25-05-2026 सूर्यास्त 6:40 बजे | 26-05-2026 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
75,415.35 (+231.99)	23,719.30 (+64.60)

सोना	चांदी
16,417 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	278,564 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जमानती खेल

कौन जमानत दे किसको,
सारे रिमांड पर चढ़े हुए।
कब्रों से मुर्दे जिन्न हुए,
जो थे चित्रों में मढ़े हुए।
ईडी हो या सीबीआई,
सबके सवाल हैं गढ़े हुए।
वे स्वयं अँगूठा दिखा रहे,
जो कानूनों को पढ़े हुए।।

किसी को भी किसी दूसरे व्यक्ति का धर्म जबरन बदलने का अधिकार नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यूसीसी से आदिवासियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, समुदाय दुष्प्रचार के झांसे में न आए : अमित शाह

यूसीसी किसी भी आदिवासी या वनवासी भाई या बहन की परंपराओं और रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) आदिवासियों को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करेगी। उन्होंने समुदाय से इस मुद्दे पर फैलाए जा रहे ''दुष्प्रचार'' के झांसे में न आने का आग्रह किया।

आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय सुरक्षा मंच द्वारा लाल किला मैदान में आयोजित 'जनजातीय सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, ताकि जनजातीय समुदायों को इसके दायरे से बाहर रखा जा सके।

शाह ने कहा, ''अब एक साजिश शुरू हो गई है जिसमें दावा किया जा रहा है कि समान नागरिक संहिता आदिवासी समुदायों को उनकी संस्कृति, परंपराओं और अपने रीति-रिवाजों के अनुसार जीने के अधिकार से वंचित कर देगी।'' उन्होंने कहा, ''आज, इस मंच से, नरेन्द्र मोदी सरकार में गृह मंत्री के रूप में, मैं यह बिल्कुल स्पष्ट करना चाहता हूं कि यूसीसी का कोई भी प्रावधान आदिवासी समुदायों या वनवासी समाज पर थोपा नहीं जाएगा।'' शाह ने कहा कि जिन भी राज्यों में भाजपा सरकारों ने यूसीसी लागू किया है, मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी आदिवासी समुदाय इसके दायरे से बाहर रहें।

गृह मंत्री ने आदिवासी समुदायों से प्रस्तावित कानून से भयभीत न होने का आग्रह किया और लोगों से गांवों एवं वन क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''मैं भ्रम फैलाने वाले सभी लोगों को बताना चाहता हूं कि यूसीसी किसी भी आदिवासी या वनवासी भाई या बहन की परंपराओं और रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।'' नक्सलवाद का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि देश इस समस्या से मुक्ति की ओर अग्रसर है, और दावा किया कि हिंसा के कारण दशकों से आदिवासी विकास प्रभावित हुआ है।

शाह ने कहा, ''आज आदिवासी समुदायों के इस कुंभ में मैं गर्व से कह सकता हूं कि हमारा देश नक्सल समस्या से पूर्णतः मुक्त होने की ओर अग्रसर है।'' गृह मंत्री ने आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण का भी विरोध किया और कहा कि किसी को भी किसी दूसरे व्यक्ति का धर्म जबरन बदलने का अधिकार नहीं है।

कांग्रेस ने द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपा, उस पर फिर से भरोसा न करें : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा शाखा के प्रमुख उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर तमिलनाडु में चुनावी लाभ के लिए ''द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपने'' का आरोप लगाया है और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि वे कांग्रेस पर ''फिर कभी भरोसा न करें।''

उदयनिधि ने कहा, ''20 वर्षों से अधिक समय तक कांग्रेस पार्टी हमारे सहारे आगे बढ़ी। आज उसने हमारी पीठ में छुरा घोंपा है। किसी को भी यह बात कभी नहीं भूलनी चाहिए। हमें कांग्रेस पर भविष्य में कभी भरोसा नहीं करना चाहिए और न ही उसे फिर कभी अपने करीब आने देना चाहिए।''

उदयनिधि ने शनिवार को यहां द्रमुक युवा शाखा की बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र में लगातार जीत के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बजाय कांग्रेस को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया।

तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि भाजपा की लगातार चुनावी सफलताओं का मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसा नहीं है। भाजपा की जीत का मुख्य कारण कांग्रेस पार्टी है। यह अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।''

उदयनिधि ने पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में गठबंधन के प्रति द्रमुक के पूर्ण समर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि द्रमुक कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए ''खून-पसीना'' बहाया ताकि धर्मनिरपेक्षता की रक्षा की जा सके और भाजपा को तमिलनाडु से दूर रखा जा सके। उन्होंने कहा, ''इस चुनाव में भी लगभग अस्तित्वहीन कांग्रेस हमारे नेता के निर्देशों और द्रमुक कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के कारण ही पांच सीट जीत सकी लेकिन जीतने के तुरंत बाद, वे सत्ता के लालच में भाग गए।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस में बुनियादी कृतज्ञता और राजनीतिक शिष्टाचार का अभाव है।

उदयनिधि ने कहा कि भले ही द्रमुक उसे सबक न सिखाए, तमिलनाडु के लोग जल्द ही उसे सबक सिखाएंगे।

टैंक बचाओ

बेंगलूरु में रविवार को 'वॉइस ऑफ सदाशिवनगर' के बैनर तले स्थानीय निवासियों ने सैंकी टैंक बचाओ अभियान के समर्थन में पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया और झील संरक्षण की मांग उठाई।

विकास का अर्थ लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना होता है : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने रविवार को कहा कि विकास का मतलब केवल बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण नहीं होता, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। उन्होंने बंदरगाह शहर एर्नाकुलम जिले और पूरे केरल के आधुनिकीकरण और परिवर्तन के लिए कई योजनाओं की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

एर्नाकुलम जिले के मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सतीशन ने कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की राज्य के लिए मुख्य योजनाओं में केरल की आर्थिक स्थिति और लोगों के जीवन स्तर में सुधार शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य की आर्थिक स्थिति को सुधारना एक बड़ी चुनौती है और वित्त विभाग की जिम्मेदारी संभालना भी आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर हम अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सके, तो अगला कदम संपत्ति का समान वितरण सुनिश्चित करना होगा। हमें यह देखना होगा कि लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं।''

सतीशन ने कहा, ''विकास इसका एक हिस्सा है, लेकिन इसका मतलब जमीन अधिग्रहण कर विशाल इमारतें खड़ी करना नहीं है। विकास तब माना जाएगा जब लोगों के जीवन स्तर में स्पष्ट सुधार दिखाई दे।'' उन्होंने कहा कि यूडीएफ देश का पहला ऐसा विपक्ष था जिसने केवल सत्तारूढ़ सरकार की आलोचना ही नहीं की, बल्कि उन क्षेत्रों में अध्ययन भी किया जहां प्रशासन विफल रहा और समाधान खोजने का प्रयास किया।

सतीशन ने कहा कि वह 19 जून को विधानसभा में नई सरकार का पहला बजट पेश करेंगे, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे सहित सभी क्षेत्रों के लिए कई परियोजनाएं होंगी। उन्होंने इस जिले को केरल के फिल्म उद्योग की ''राजधानी'' में बदलने की योजना का भी संकेत दिया।

कीव पर हमले में रूसी हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल का हुआ इस्तेमाल

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। इस हमले में कम से कम दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

असम में कट्टरपंथ रोधी प्रकोष्ठ की स्थापना की जाएगी : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ''युवाओं को चरमपंथी प्रभाव से बचाने'' के लिए कट्टरपंथ-रोधी प्रकोष्ठ स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि असम राज्य के युवाओं को गुमराह करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को ''करारा जवाब'' देगा। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम किसी भी समूह या व्यक्ति को अपने युवाओं को गुमराह करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाकर उनका भविष्य बर्बाद करने की अनुमति नहीं देंगे। असम इसका करारा जवाब देगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''चरमपंथी प्रभाव से युवाओं को बचाने के लिए कट्टरपंथ-विरोधी प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा।''

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में शटल ट्रेन में विस्फोट, कम से कम 24 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक शटल ट्रेन में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 24 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने क्वेटा में हुए इस धमाके की जिम्मेदारी ली है।

सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) के अनुसार, यह शटल ट्रेन क्वेटा छावनी से रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी, तभी इसे चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संपर्क करने पर बताया कि मृतकों की संख्या 24 तक पहुंच चुकी है, हालांकि उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, ''चलती ट्रेन में हुआ धमाका बेहद शक्तिशाली था।''

क्वेटा के दो अलग-अलग अस्पतालों के कम से कम दो चिकित्सकों ने पुष्टि की कि शवगृह में 20 शव रखे गए हैं। इनमें से एक चिकित्सक ने कहा, ''मैं आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कह सकता, लेकिन सिविल अस्पताल और बोलान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हमारे पास 20 शव हैं।'' दोनों चिकित्सकों ने यह भी बताया कि महिलाओं और बच्चों समेत 50 से अधिक लोगों का दोनों अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ शव और घायल क्वेटा जिला अस्पताल भी ले जाए गए हैं। बीएलए के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब ट्रेन छावनी क्षेत्र से सैन्यकर्मियों को ले जा रही थी।

भारत-अमेरिका संबंधों में जयशंकर-रूबियो वार्ता से नई गर्माहट के संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

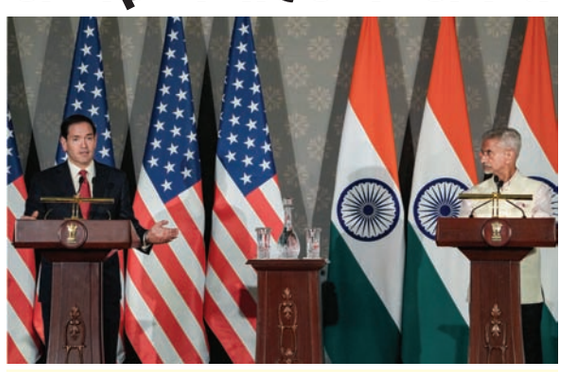

दोनों पक्षों ने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, उच्च प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका ने रविवार को अपने तनावपूर्ण संबंधों में सुधार के संकेत देने के प्रयास किए। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रूबियो ने व्यापार, वीजा, ऊर्जा सुरक्षा, सीमा पार आतंकवाद और पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभावों जैसे जटिल मुद्दों पर खुलकर चर्चा की।

चार दिवसीय दौरे पर भारत आए रूबियो ने नई दिल्ली को एक प्रमुख ताकत बताया और इस बात को खारिज किया कि अमेरिका-भारत संबंधों ने दो दशकों से चली आ रही गति खो दी है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि मौजूदा प्रशासन के कार्यकाल के अंत तक ये संबंध और भी मजबूत होंगे।

भारत की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने वैश्विक स्थिरता के लिए एक रणनीतिक पांच-सूत्री खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारत संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थक है, निर्बाध समुद्री व्यापार का समर्थन करता है, अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान की मांग करता है और बाजार हिस्सेदारी तथा संसाधनों के 'हथियार' बनाए जाने के खिलाफ है।

भारत-अमेरिका संबंधों में आई भारी गिरावट के बाद अपने पहले व्यापक संवाद में, दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, उच्च प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।

जयशंकर के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में रूबियो ने 'पीटीआई-भाषा' के एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''अमेरिका-भारत संबंधों में कोई कमी नहीं आई है। मैं समझता हूं कि कुछ लोग ऐसा क्यों कह सकते हैं। मैं नहीं समझता, लेकिन मैं जनाता हूं कि कुछ लोग ऐसा कहते हैं। यह भारत के बारे में नहीं है। यह व्यापार के संदर्भ में अमेरिका के बारे में है।''

रूबियो ने भारत को अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया और इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्ष कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकमत हैं।

ईरान के साथ समझौते में जल्दबाजी न करें : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वाशिंगटन और तेहरान ने लगभग तीन महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक शांति समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी कर ली है।

हालांकि, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए।

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत व्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है, लेकिन उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि समय हमारे (अमेरिका) पक्ष में है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की अमेरिकी नाकाबंदी तब तक पूरी तरह से जारी रहेगी, जब तक कि किसी समझौते पर सहमति नहीं बन जाती और उस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते।

ट्रंप ने कहा, दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए। कोई गलती नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ईरान को अब्राहम समझौते में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया, जो इजराइल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है।

ट्रंप की ये टिप्पणियां सोशल मीडिया पर की गई उस घोषणा के एक दिन बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी हो चुकी है और अंतिम पहलुओं एवं विवरणों पर चर्चा की जा रही है, जिसके बाद जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र, जॉर्डन, बहरीन और इजराइल के नेताओं से बात की है।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट शाखा की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) बेंगलूरु वेस्ट शाखा की वार्षिक साधारण सभा एक होटल में सम्पन्न हुई। शाखा के अध्यक्ष ललित बेगानी ने सभी का स्वागत करते हुए शाखा की वर्षभर की प्रगति, गतिविधियों एवं सदस्य सहभागिता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, साउथ जोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने शाखा द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। शाखा मंत्री कौशल खटेड़ ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष आशुतोष नाहर ने वित्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विभिन्न पदाधिकारियों ने अपने अपने दायित्व संबंधी रिपोर्ट पेश की। सुमित धारेवा ने धन्यवाद दिया।

नारी और पुरुष में भेदभाव करना धर्म, गुरु और परमात्मा के सिद्धांतों के साथ खिलवाड़ करना है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गंगानगर जैन स्थानक में आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि पुरुष मंदिरों में देवी की पूजा करता है उतनी ही घर की मातृ शक्ति की दुर्दशा करने में भी शर्म महसूस नहीं करता है। जब तक घर की नारी का सम्मान नहीं करेगा, तब कोई भी देवी देवता तुम्हारी भक्ति स्वीकार नहीं करेंगे। नारी और पुरुष में भेदभाव करना धर्म, गुरु और परमात्मा के सिद्धांतों के साथ खिलवाड़ करना है। उन्होंने कहा कि पुरुष प्रधान मानसिकता सबसे बड़ी क्रूर हिंसा है, जन्म से लेकर मृत्यु तक भ्रूण हत्या ,बाल विवाह, दहेज, सती प्रथा, विधवा प्रथा, मानसिक यातनाएं देना, मात्र उपभोग की वस्तु मानना सरासर अन्याय है।

धार्मिकता की दुहाई देने वाले द्वारा ऐसा कृत्य करना इंसानियत और मानवता को शर्मसार करने वाला है।ङ्क मुनि कमलेशजी ने कहा कि जब तक पति जिंदा है महिला घर की महारानी के रूप में मानी जाती है और पति के देवलोक होने पर परिवार और समाज द्वारा निम्न कोटि का व्यवहार उसके साथ किया जाता है जो अक्षम्य अपराध है। जैन संत ने कहा कि एक तो पति का वियोग, ऊपर से तिरस्कार और अपमान जख्म पर नमक छिड़कने के समान है। संतश्री ने कहा कि विधवा प्रथा सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है। जीवन पर्यंत उसे स्वाभिमान से नहीं जीने दिया जाता है। इस मौके पर अनेक वीरांगनों का सम्मान किया गया।

श्रीराम कथा के आयोजन को लेकर आयोजित हुई विशेष बैठक

एक सितम्बर से शुरू होगी राजन महाराज की सप्तदिवसीय कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दिव्य चेतना श्रीरामकथा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शहर में आगामी 1 से 7 सितंबर तक दिव्य श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन पैलेस ग्राउंड्स के प्रिंसेस श्राइन परिसर में होगा। श्रीराम कथा का वाचन देश के सुप्रसिद्ध कथा वाचक राजनजी महाराज द्वारा किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को हेग्गोंडनहल्ली में कथा के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के आयोजक एवं ट्रस्टी शैलेश मिश्रा ने किया। उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों से कार्यक्रम की तैयारियां निरंतर चल रही हैं और पूरी टीम पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य कर रही है।बैठक में कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राजन जी महाराज के एयरपोर्ट स्वागत से लेकर भव्य कलश यात्रा तक की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर रोहित उपाध्याय ने जानकारी दी कि बैठक में मंच सज्जा, पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा, भंडारा, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, लाइट एवं साउंड सिस्टम, अतिथियों के स्वागत, स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियां तथा फंड कलेक्शन सहित आयोजन के प्रत्येक पहलू पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े अनेक लोग उपस्थित थी।

सभी जनों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा कई स्वयंसेवकों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। बैठक में प्रमुख रूप से शैलेश मिश्रा, रोहित उपाध्याय, धीरज, प्रवीण पांडेय, राजीव शुक्ला, अजय पांडेय, मिथलेश तिवारी एवं लाल बाबू पांडेय उपस्थित रहे। धर्मनिष्ठा सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने कहा कि ट्रस्ट श्रीराम कथा आयोजन में सहयोग करेगा। अंत में शैलेश मिश्रा ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गायत्री विश्वकर्मा देवस्थान हंपीनगर द्वारा रविवार को 23 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस उपलक्ष्य में आयोजित भव्य शोभायात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में महेन्द्र मुणोत शामिल हुए जिन्होंने शोभायात्रा का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया

अमेरिका से चीन को भेजा गया 'गोप्रो कैमरा' लश्कर आतंकवादियों के हाथ कैसे लगा, एनआईए कर रही जांच

पहलगाम (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के संबंध में विस्तृत आरोपपत्र दाखिल करने के बावजूद, जांचकर्ता उस वैश्विक आपूर्ति शृंखला का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि चीन को भेजा गया अमेरिका निर्मित 'गोप्रो कैमरा' आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के हाथों में कैसे पहुंचा। वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले साल जुलाई में दाचीगाम के जंगलों में मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों से बरामद उच्च तकनीक वाले कैमरे ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों का समर्थन करने के लिए साजो-सामान उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की जांच की एक महत्वपूर्ण नई दिशा खोल दी है।

अरिहंत भगवान मोक्षमार्ग के प्रदर्शक होते हैं, जो जन-जन को मुक्ति का पथ बताते हैं : डॉ पदमचंद्रमुनि

आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान के 151 आराधकों ने पहली मोक्षमाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तप तेजस्व से चमकते हुए मुखमण्डल और प्रसन्न बदन के साथ आराधकों को स्व हस्त से आचार्य के गुणों को दर्शाने वाले पीले वर्ण की माला प्रदान करते हुए आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ पदमचंद्रमुनिजी मंच पर आसीन थे। यह भावपूर्ण दृश्य था आचार्य पार्श्वचंद्रजी के सान्निध्य में पंद्रह दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान के मोक्षमालारोपण कार्यक्रम का, जिस समारोह में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को संयम जीवन के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत कर दिया। इस अवसर पर आयोजित धर्म सभा में डॉ पदमचंद्रमुनिजी ने कहा कि अरिहंत भगवान आत्मकल्याण के सर्वोच्च आदर्श हैं। अरिहंत भगवान का स्मरण, वंदन और गुणानुवाद करने से आत्मा में शुभ भावों का संचार होता है।

अरिहंत भगवान मग्गदयाणं अर्थात मोक्षमार्ग के प्रदर्शक होते हैं, जो जन-जन को मुक्ति का पथ बताते हैं। मोक्षमार्ग पर आगे बढ़ने के लिए रत्नत्रय सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मोक्षमाला का यह प्रसंग जीव को संयम धारण कर मोक्षरूपी महल की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि उपधान तप त्याग, तपस्या, संयम और साधना का दिव्य संगम है। यह तप साधु जीवन का अभ्यास कराता है तथा आत्मा को शुद्ध बनाकर मोक्षमार्ग के निकट ले जाने का उत्तम माध्यम बनता है।

डॉ पदमचंद्रमुनिजी ने कहा कि जब जीव पुद्गल के क्षणिक सुखों से ऊपर उठकर आत्मानंद की ओर अग्रसर होता है, तब उसके भीतर संयम और वैराग्य के भाव जागृत होने लगते हैं। यही विशुद्ध भाव साधक को संसार की आसक्ति से दूर कर आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ाते हैं। उपधान साधना के माध्यम से साधक स्वयं को आत्मशुद्धि, संयम और आध्यात्मिक उन्नति के लिए संकल्पित करता है। आगमों में कहा गया है कि जो शिष्य गुरु के सान्निध्य में रहकर विनयपूर्वक शिक्षा ग्रहण करता है, वही सच्चा शिष्य कहलाने का अधिकारी बनता है।

जयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि जिन्होंने स्वयं मोक्ष प्राप्त किया और दूसरों को भी मोक्ष मार्ग बताया ऐसे सर्वज्ञ सर्वदर्शी तीर्थंकर भगवान ने मोक्ष प्राप्ति हेतु सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चारित्र की साधना का मार्ग बताया है। डॉ पदमचंद्रमुनिजी ने आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान के संयोजक राजेन्द्रकुमार नाहर के कार्य निष्ठा की सराहना की। जयपुरंदरमुनिजी ने कहा कि प्रत्येक जीव का लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना है। किंतु मोक्ष की केवल इच्छा कर लेना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके अनुरूप पुरुषार्थ और साधना भी आवश्यक है।जयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने गुरु भक्ति गीतिकाएं प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में जैन समणी प्रमुखा डॉ श्रीनिधिश्रीजी, समणी निदेशिका डॉ श्रुतनिधिजी, डॉ सुयशनिधिश्रीजी, डॉ सुगमनिधिजी, डॉ सुयोगनिधिजी आदि भी उपस्थित थीं। जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा, उपधान आराधना के संयोजक राजेंद्रकुमार नाहर ने आराधकों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए 3 समणीवृन्द सहित 151 उपधान आराधकों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन संगीतकार नरेंद्र वाणीगोता ने किया।

मोक्षमाला महोत्सव की पूर्व संध्या में तप अनुमोदनार्थ पैलेस ग्राउंड स्थित ग्रांड कैंसल सभागार में भक्ति संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायक विक्की डी पारेख मुंबई एवं उनके साथी गायकों ने भजन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री प्रकाशचंद बोहरा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पारसमल गादिया, रेवन्तमल नाहर, कैलाशचंद्र बोहरा, पूर्व महामंत्री गौतमचंद रुणवाल एवं नवरतनमल बोकड़िया सहित विभिन्न शाखाओं से पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने बताया कि समारोह में विभिन्न शहरों से श्रद्धालु शामिल हुए।

आत्मविश्वास के साथ कार्य करना उसे पूर्ण सफल बना देता है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुडी स्थित एक श्रद्धालु के निवास पर आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में पंडितरत्न ज्ञानमुनिजी ने कहा कि अच्छा प्रारम्भ कार्य की आधी सफलता उसी समय निश्चित कर देता है और आत्मविश्वास के साथ कार्य करना उसे पूर्ण सफल बना देता है। उन्होंने भावपूर्ण गीत प्रभु के भजन में, नाम के रटन में, मिले सुख भारी थे, मंगलकारी रे के माध्यम से सत्संग का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि कुंती माता के भतीजे श्रीकृष्ण उनके पास आए और प्रणाम किया तो भुआ ने आशीर्वाद दिया और भोजन कराया। श्रीकृष्ण ने उनकी सेवा हेतु कुछ मांगने को कहा तो माता कुंती ने कहा कि मुझे प्रति दिन विपदा आए। उन्होंने ऐसा क्यों माँगा तो उत्तर दिया कि विपरीत परिस्थिति भगवान का स्मरण कराती है, भगवान के समीप लाती है। दूध में जैसे हर जगह मक्खन है, वैसे ही हर जगह भगवान है। जिस प्रकार दूध को गर्म करते हैं, फिर ठंडा करते हैं, जमाते हैं, बिलोना करते हैं तो मक्खन मिलता है। उसी प्रकार आत्मा को तप से तपाना पड़ेगा, मन को शांत रखना पड़ेगा।

स्वाध्याय करना पड़ेगा। लोकेशमुनिजी ने कहा कि व्यक्ति को प्रतिदिन अपनी आत्मा के लिए कुछ समय निकालना चाहिए। कुछ कार्य अपनी आत्मा की उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है ।

प्रधान के इस्तीफे तक कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी : नीट पेपर लीक मुद्दे पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

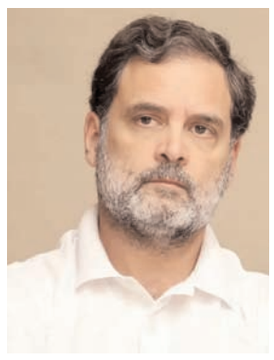

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) जैसी परीक्षा में पेपर लीक को रोकने के लिए एक पुख्ता व्यवस्था लागू नहीं हो जाती।

उन्होंने हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों का एक वीडियो साझा किया, जिसमें नीट परीक्षा के पेपर लीक का मुद्दा उठाया गया और प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान के खिलाफ नारे भी लगाए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, जब लाखों युवा सड़कों पर हैं, 22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है और प्रधानमंत्री चुप हैं, तब सरकार प्रतिक्रिया देने पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही है, बल्कि टालमटोल करने में व्यस्त है। गांधी ने 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता और नीट जैसे पेपर लीक रोकने के लिए पुख्ता व्यवस्था नहीं बनती, हम रुकेंगे नहीं। पेपर लीक होने के कारण नीट-स्नातक परीक्षा रद्द होने के बाद से कांग्रेस मांग कर रही है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान या तो इस्तीफा दें या उन्हें बर्खास्त किया जाए।

बुलेट ट्रेन परियोजना : एनएचएसआरसीएल ने नवी मुंबई में दूसरी टनल बोरिंग मशीन को उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने नवी मुंबई में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत सुरंग खंड के लिए दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) को काम पर लगाया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में बताया कि 350 टन वजनी 'कटरहेड' मशीन को शनिवार को घंसोली के पास साउली में उतारा गया, जो टीबीएम के विभिन्न हिस्सों को काम शुरू करने के लिए जोड़ने का अंतिम चरण है। दूसरी टीबीएम मुंबई के सावली से विक्रोली की ओर सुरंग खोदना शुरू करेगी। पहली टीबीएम को पिछले सप्ताह विक्रोली में काम पर लगाया गया था। विज्ञप्ति के मुताबिक जुलाई के पहले सप्ताह में खुदाई का काम शुरू करने से पहले दोनों मशीनों का अंतिम संयोजन और कमीशनिंग परीक्षण किया जाएगा। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, टीबीएम मशीनों को एक ही सुरंग की खुदाई करने के लिए डिजाइन किया गया है जो हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों लाइनों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त बड़ी होगी। इसमें कहा गया है कि सुरंग निर्माण कार्यों के दौरान खुदाई और मलबा हटाने के लिए प्रत्येक मशीन 84 कटर डिस्क, 124 स्क्रेपर और 16 बकेट लिप्स से सुसज्जित है। स्लरी आधारित मिक्स शील्ड टीबीएम मशीनों का वजन क्रमशः 3,080 टन और 3,184 टन है, और प्रत्येक की लंबाई 95.32 मीटर है।

मार्च में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च घटकर 1.09 अरब डॉलर रहा: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीयों का विदेश यात्रा पर खर्च मार्च में घटकर 1.09 अरब डॉलर रह गया, जो फरवरी में 1.30 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। जनवरी में विदेश यात्रा पर खर्च 1.65 अरब डॉलर रहा था। 'उदारीकृत धन प्रेषण योजना' (एलआरएस) के तहत आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारतीयों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विदेश में भेजा गया कुल धन (रेमिटेंस) मार्च में 2.59 अरब डॉलर रहा, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा यात्रा व्यय का रहा।

एलआरएस के तहत निवासी व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 2.50 लाख डॉलर तक का प्रेषण किसी भी वैध चालू या पूंजी खाते के लेनदेन के लिए कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 'अन्य यात्रा' श्रेणी में, जिसमें अवकाश यात्राएं और अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड खर्च शामिल हैं, मार्च में 62.30 करोड़ डॉलर खर्च किए गए, जो कुल यात्रा व्यय का लगभग 57 प्रतिशत है। शिक्षा संबंधी यात्रा पर 45.01 करोड़ डॉलर खर्च हुए, जिसमें ट्यूशन फीस और हॉस्टल खर्च शामिल हैं। जबकि व्यापार यात्रा, तीर्थयात्रा और चिकित्सा उपचार पर 2.13 करोड़ डॉलर खर्च हुए। विदेश में रहने वाले परिजनों को भेजे गए धन का प्रेषण मार्च में 38.97 करोड़ डॉलर रहा, जो फरवरी के 26.61 करोड़ डॉलर से अधिक है। 'विदेश में अध्ययन' श्रेणी में खर्च मार्च में घटकर 15.17 करोड़ डॉलर रहा। यह फरवरी के 17.56 करोड़ डॉलर और जनवरी में 26.74 करोड़ डॉलर था। विदेश में अचल संपत्ति की खरीद पर खर्च मार्च में घटकर 3.86 करोड़ डॉलर रह गया, जबकि फरवरी में यह 5.13 करोड़ डॉलर था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन रविवार को बेंगलूरु, कर्नाटक में काडू मल्लेश्वर मंदिर के दर्शन करते हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येड्डीयुरप्पा और अन्य नेताओं के साथ रविवार को बेंगलूरु, कर्नाटक में एक ब्रेकफास्ट मीटिंग के दौरान। तस्वीर में कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र भी नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस सरकार ने जनता के साथ विश्वासघात किया : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन ने राज्य की जनता के साथ विश्वासघात किया है और पिछले तीन वर्षों में विकास और कल्याणकारी गतिविधियों से अपना ध्यान हटा लिया है। कर्नाटक की दो दिवसीय यात्रा के दौरान नवीन ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस आंतरिक कलह से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के नेता शासन चलाने के बजाय सत्ता का इस्तेमाल निजी हितों के लिए कर रहे हैं। नवीन ने आरोप लगाया, कर्नाटक सरकार ने पिछले तीन वर्षों में यहां के लोगों को धोखा दिया, जनता के भरोसे को तोड़ा और पार्टी की अंदरूनी कलह के कारण जन कल्याणकारी कार्य पीछे छूट गए हैं। उन्होंने परोक्ष रूप से मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच 'सत्ता संघर्ष' का जिक्र किया।

राज्य सरकार को लोगों की चिंताओं से कटा हुआ बताते हुए नवीन ने कहा, यहां की सरकार का जनता के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। इस सरकार को चलाने वाले नेता सरकार और सत्ता का इस्तेमाल सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की प्राथमिकताओं के कारण कर्नाटक में विकास और कल्याणकारी कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान उन विकास योजनाओं से पूरी तरह से हट गया है, जिन्हें राज्य की जनता के लिए लागू किया जाना चाहिए था और उन कल्याणकारी कार्यों से भी, जिन्हें किया जाना अपेक्षित था।

नवीन ने कांग्रेस पर अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के लाभ के लिए कर्नाटक का आर्थिक शोषण करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस कर्नाटक को एटीएम की तरह इस्तेमाल कर रही है, ताकि दिल्ली में अपने दरबार को सजाया और चलाया जा सके। अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए भाजपा प्रमुख ने कहा कि देशभर में पार्टी के जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान कर्नाटक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। भाजपा अध्यक्ष ने यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में राज्य स्तरीय कोर कमेटी की बैठक के बाद संवाददाताओं से बात की।

कलबुर्गी में नीट अभ्यर्थी ने फंदे से लटककर आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) देने वाली एक छात्रा ने अपने घर पर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। छात्रा के पिता ने रविवार को यह जानकारी दी।पिता राजशेखर ने यहां पत्रकारों को बताया कि भाग्यश्री (18) पढ़ाई में बहुत अच्छी थी और उसने पीयूसी परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। उन्होंने बताया, हमारे परिवार में कोई परेशानी या समस्या नहीं थी, हम खुशी से रह रहे थे।

पिता ने रोते हुए पत्रकारों को बताया, उसने (भाग्यश्री ने) नीट में अच्छा प्रदर्शन किया था, सब कुछ ठीक चल रहा था। शायद उसके मन में परीक्षा दोबारा देने का विचार था। मैं किसी को दोष नहीं दे रहा और न ही किसी पर आरोप लगा रहा हूं। हम उसके दर्द या पीड़ा को नहीं जानते। मैं क्या कह सकता हूं? पुलिस के अनुसार, छात्रा ने कोई 'सुसाइड नोट' नहीं लिखा और न ही आत्महत्या का कोई कारण बताया। इस संबंध में स्टेशन बाजार थाने में मामला दर्ज किया गया है।

प्रश्न-पत्र लीक होने के आरोपों के बाद तीन मई को आयोजित नीट-स्नातक रद्द कर दी गई थी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने 21 जून को फिर से परीक्षा कराने की घोषणा की है।

नदी में सीपियां इकट्ठा करते समय आठ लोग डूबे

करवार। उत्तर कन्नड़ जिले में थट्टे हक्कलू नदी में तेज बहाव के कारण सीपियां इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे एक ही परिवार के आठ सदस्य डूब गए, जिनमें सात महिलाएं हैं जबकि दो अन्य लापता हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिराली गांव के लगभग 14 लोग नदी में सीपियां इकट्ठा करने के लिए उतरे थे। नदी तटों और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों की यह पारंपरिक गतिविधि है।

उन्होंने बताया, इस दौरान वे पानी के स्तर का सही आकलन किए बिना नदी के गहरे हिस्से में चले गए। अचानक तेज धारा में फंसकर एक या दो लोग बह गए। इसके बाद पानी में फंसे लोगों को बचाने के प्रयास में कुछ व्यक्ति नदी में कूद गए। इस दौरान तेज धारा में और भी लोग फंस गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक आठ शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि दो अन्य लापता हैं। बचाव कर्मी, पुलिस टीम और स्थानीय निवासी खोज अभियान जारी रखे हुए हैं। मृतकों की पहचान भटकल तालुक के शिराली निवासी के रूप में हुई है। सूत्रों ने बताया कि यह घटना क्षेत्र में बारिश के कारण नदी की धारा तेज होने के बाद घटी, जिससे कई लोग बह गए जो सीपियां इकट्ठा करने के लिए नदी के गहरे हिस्सों में गए थे।

शबरिमला सोना चोरी मामले में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा : केरल के देवस्वोम मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवंनतपुरम/भाषा। केरल के देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन ने रविवार को कहा कि शबरिमला सोना चोरी मामले में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, बख्शा नहीं जाएगा।

मुरलीधरन ने कहा कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''ईश्वर से चोरी करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वे चाहे कोई भी हों और चाहे किसी भी दल से संबंधित हों, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।''

राज्य के स्वास्थ्य विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे मुरलीधरन ने यहा संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दुनिया के अन्य हिस्सों में इबोला के सामने आये मामले को लेकर चिंतित होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि भारत में अभी तक कोई मामला सामने नहीं आया है, और विदेश से आने वाले लोगों में शुरुआती लक्षणों का पता लगाने के लिए हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर कड़ी जांच प्रणाली स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि केरल के प्रमुख रेलवे स्टेशन में भी ऐसी व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश जारी किए गए हैं, क्योंकि विदेश से आए और अन्य राज्यों में उतरे कुछ लोग ट्रेन से दक्षिणी राज्य की यात्रा कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, कोझिकोड और कन्नूर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पृथकवास वार्ड स्थापित किए गए हैं और विदेश से आने वालों से आग्रह किया है कि बुखार, खांसी या खून के साथ दस्त जैसे शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकों से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है ताकि वहां आने वाले लोगों की बेहतर देखभाल की जा सके।

मुरलीधरन ने कहा कि तिरुवनंतपुरम में दूसरा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया जाएगा, और अलाप्पुझा जिले के हरिपाद में एक नया मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा तथा पहले से मौजूद चिकित्सा महाविद्यालयों में और अधिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

भारतीय वायुसेना प्रमुख ने सैन्य क्षमता के विकास में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने मजबूत और स्वदेशी सैन्य क्षमताओं के विकास के लिए आत्मनिर्भरता को एक रणनीतिक आवश्यकता बताया है। वह शनिवार को यहां 48वें उड़ान परीक्षण पाठ्यक्रम के पूरा होने के अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। बेंगलूरु में 48वें उड़ान परीक्षण पाठ्यक्रम के 11 परीक्षण पायलटों और छह उड़ान परीक्षण अभियंताओं ने 48 सप्ताह के कठोर बहुविषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद वायुसेना परीक्षण पायलट स्कूल (एएफटीपीएस) से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस वर्ष स्नातक पाठ्यक्रम में 17 अधिकारियों का समूह शामिल हुआ। इनमें से भारतीय वायुसेना के 14 अधिकारी, भारतीय सेना का एक अधिकारी और भारतीय नौसेना के दो अधिकारी शामिल हैं। ये स्नातक उपाधि धारी विमान और प्रणाली परीक्षण प्रतिष्ठान के विमानन विंग में शामिल होंगे, जो भारतीय वायुसेना की प्रमुख इकाइयों में से एक है।

बयान में कहा गया है, स्वदेशी सैन्य क्षमताओं के विकास के लिए 'आत्मनिर्भरता' को एक रणनीतिक आवश्यकता बताते हुए सिंह ने स्वदेशीकरण अभियान को बढ़ावा देने और एयरोस्पेस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए परीक्षण दल पर आने वाली भारी जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह (बाएं), बेंगलूरु में 'एयर फोर्स टेस्ट पायलट्स स्कूल' में 48वें फ्लाइट टेस्ट कोर्स के दीक्षांत समारोह के दौरान।

वायुसेना प्रमुख ने उपकरणों की सुरक्षा और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए 'डिजाइन से डिलीवरी' तक की प्रक्रिया को अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए पेशेवर दक्षता के महत्व पर बल दिया कि विमान और प्रणालियां सेवाओं की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करें, साथ ही अधिकारियों से ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सटीकता और उत्कृष्टता के गुणों को बनाए रखने का आग्रह किया।

उन्होंने स्नातक की उपाधि हासिल करने वाले अधिकारियों को निरंतर लगन से मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों के क्षमता निर्माण और आधुनिकीकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाई। सिंह 17वें उड़ान परीक्षण पाठ्यक्रम के पूर्व छात्र हैं। सिंह ने सभी उत्तीर्ण अधिकारियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को ट्राफियां प्रदान कीं।

इस वर्ष, सर्वश्रेष्ठ 'ऑल-राउंड' छात्र परीक्षण पायलट के लिए प्रतिष्ठित 'सुरंजन दास ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर के.के. सिंह को प्रदान की गई, जबकि उड़ान मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ छात्र परीक्षण पायलट के लिए 'चीफ ऑफ द एयर स्टाफ ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर आदित्य जमदग्नि को प्रदान की गई।

सर्वश्रेष्ठ 'ऑल-राउंड' छात्र विमान परीक्षण इंजीनियर के लिए 'महाराजा हनुमंत सिंह तलवार' विंग कमांडर अभिनव कुमार को प्रदान की गई। उड़ान मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ 'ऑल-राउंड' छात्र उड़ान परीक्षण इंजीनियर के लिए विंग कमांडर प्रणव शर्मा को 'डनलप ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया, और 'कपिल भार्गव ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर पारस शर्मा को प्रदान की गई।

कामगारों की न्यूनतम मजदूरी में 60 प्रतिशत की वृद्धि की गई: मंत्री

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में 60 प्रतिशत की वृद्धि की है, जिससे बेंगलूरु में श्रमिकों को न्यूनतम 23,376 रुपये प्रति माह प्राप्त होंगे। राज्य सरकार की अधिसूचना में कहा गया कि राजधानी बेंगलूरु में कुशल कामगार 31,114 रुपये प्रति माह के हकदार होंगे। शनिवार को श्रम मंत्री संतोष लाड ने यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि इसके साथ ही कर्नाटक के श्रमिक समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग पूरी हो गई है।

कर्नाटक के अन्य हिस्सों में संशोधित दरें प्रतिमाह 19,300 रुपये से 21,251 रुपये तक के बीच होंगी।

मंत्री ने कहा कि संशोधित मजदूरी अधिसूचना राज्य भर में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के साथ-साथ निर्दिष्ट क्षेत्रों के कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी तथा पहली बार लाखों श्रमिकों को एक एकीकृत ढांचे के तहत लाएगी। लाड ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारी सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में 60 प्रतिशत की वृद्धि करने वाली अधिसूचना जारी की है। इसके माध्यम से, हमारी सरकार ने राज्य में श्रमिक समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा किया है।

48वें फ़्लाइट टेस्ट कोर्स के अधिकारी एएफटीपीएस से स्नातक हुए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अड़तालीसवें फ़्लाइट टेस्ट कोर्स के 11 टेस्ट पायलट और 6 फ़्लाइट टेस्ट इंजीनियर सख़्त और बहु-विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद एयर फ़ोर्स टेस्ट पायलट स्कूल (एएफटीपीएस) से स्नातक हुए। अब ये 'एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टैब्लिशमेंट' की एविएशन विंग में शामिल होंगे।

इस अवसर पर चीफ़ ऑफ़ द एयर स्टाफ़ एयर चीफ़ मार्शल एपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने सभी उत्तीर्ण अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को ट्रॉफियां भेंट कीं। इस साल सर्वश्रेष्ठ 'ऑल-राउंड स्टूडेंट टेस्ट पायलट' के लिए प्रतिष्ठित 'सुरंजन दास ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर केके सिंह को दी गई। वहीं, फ़्लाइट मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ छात्र टेस्ट पायलट के लिए 'चीफ़ ऑफ़ द एयर स्टाफ़ ट्रॉफ़ी' स्क्वाड्रन लीडर आदित्य जमदग्नि को मिली।

सर्वश्रेष्ठ 'ऑल-राउंड' छात्र फ़्लाइट टेस्ट इंजीनियर के लिए 'महाराजा हनुमंत सिंह स्वॉर्ड' विंग कमांडर अभिनव कुमार को मिली। विंग कमांडर प्रणव शर्मा को फ़्लाइट मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ 'फ़्लाइट टेस्ट इंजीनियर' के लिए 'डनलप ट्रॉफ़ी' से सम्मानित किया गया। ग्राउंड विषयों में सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए 'कपिल भार्गव ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर पारस शर्मा को प्रदान की गई।

मुख्य अतिथि ने उत्तीर्ण होने वाले अधिकारियों से आग्रह किया कि वे पूरी एकाग्रता के साथ कड़ी मेहनत करना जारी रखें। उन्होंने लचीली स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को विकसित करने के लिए आत्मनिर्भरता को एक रणनीतिक आवश्यकता बताया। उन्होंने पेशेवर दक्षता के महत्त्व पर बल दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विमान और प्रणालियां, सेवाओं की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करें। साथ ही, अधिकारियों से ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सटीकता और उत्कृष्टता के गुणों को बनाए रखने का भी आह्वान किया।

तमिलनाडु में बच्चों के खिलाफ अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं: मंत्री राजमोहन

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मंत्री राजमोहन ने रविवार को कहा कि बच्चों के खिलाफ अपराध पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार सक्रिय कदम उठा रही है। उन्होंने कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न और हत्या की घटना को अस्वीकार्य बताया। स्कूली शिक्षा मंत्री ने इस घटना को बड़ी क्षति करार देते हुए कहा कि ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए सरकार सख्त पुलिस कार्रवाई और जनभागीदारी दोनों स्तरों पर काम कर रही है।

मंत्री ने कहा, पुलिस अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की है। सभी जिलों में आदतन अपराधियों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र सक्रिय किया गया है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में राज्य के महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव बहाल किए जाने के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के साथ चर्चा की जाएगी।

मंत्री ने पीड़ितों की सुरक्षा और संस्थागत सहयोग पर जोर देते हुए 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण' (पॉक्सो) अधिनियम के बारे में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता बताई।

तमिलनाडु के शैक्षणिक संस्थानों में पिछले 20 वर्षों से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं में राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के पक्ष में है। मंत्री ने दावा किया, अन्य दलों ने केवल अपनी फिल्मों में छात्र राजनीति को पेश किया, लेकिन वास्तविकता में इसे कभी जमीनी स्तर पर साकार नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, छात्रसंघ चुनाव के मुद्दे पर विभागीय पहलुओं की गहन समीक्षा की जाएगी, मुख्यमंत्री के साथ चर्चा होगी और उचित समय पर फैसला घोषित किया जाएगा।

इस बीच, तमिलनाडु की उद्योग मंत्री एस. कीर्तना, जिन्हें इस घटना के बारे में मीडिया से बात करते समय मुस्कुराने और अपने अस्पष्ट जवाब के लिए ऑनलाइन काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है, ने अपने हावभाव की गलत व्याख्या को स्पष्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यह (मुस्कान) किसी विशेष प्रश्न या घटना पर प्रतिक्रिया नहीं थी। हालांकि, यह दुखद है कि मेरे हावभाव की गलत व्याख्या की गई है और जानबूझकर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए गलत सूचना फैलाने के लिए इसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है।

एसआईआर को लेकर विचार-विमर्श करेगी कांग्रेस, सीएम सिद्दरामय्या करेंगे बैठक की अगुवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अगले महीने से शुरू होने वाले एसआईआर से पहले रविवार को कर्नाटक कांग्रेस एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी आपत्तियों और चिंताओं को लेकर विचार-विमर्श करेगी। एसआईआर को लेकर कांग्रेस राजनीतिक और कानूनी, दोनों तरह की रणनीतियां तैयार कर रही है। बैठक रविवार शाम 4 बजे एक रिसॉर्ट में होने वाली है। इस बैठक की अगुवाई मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और वरिष्ठ एआईसीसी नेता रणदीप सुरजेवाला करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में कई वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें मंत्री, विधायक, एमएलसी, 2023 के विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी, पूर्व विधायक, सांसद और जिला अध्यक्षों के शामिल होने की उम्मीद है।

कांग्रेस नेतृत्व एसआईआर प्रक्रिया पर विचार-विमर्श और संभावित राजनीतिक और चुनावी असर का आकलन करेगा। इस बैठक के माध्यम से कांग्रेस की ओर से प्रतिक्रिया तय करने के साथ ही जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के बीच तालमेल सुनिश्चित किया जा सकता है। पार्टी नेताओं का मानना ङ्कहै कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया का सीधे तौर पर विरोध करना या पूरी तरह से असहयोग का रुख अपनाना राजनीतिक रूप से पार्टी के हित में नहीं हो सकता। कांग्रेस इस प्रक्रिया में हिस्सा लेगी, लेकिन साथ ही घटनाक्रम पर भी पैनी नजर रखेगी।

बैठक से पहले पार्टी नेताओं ने संकेत दिया कि एक राजनीतिक दल के तौर पर, कांग्रेस का मानना ङ्कहै कि उसे एसआईआर प्रक्रिया में सहयोग करना चाहिए, लेकिन साथ ही सतर्क और सावधान भी रहना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक मुख्य रूप से पार्टी नेताओं को जागरूक करने और भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी करने के लिए बुलाई गई है।

गंगा दशमी को मुख्यमंत्री करेंगे बीसलपुर बांध पर जल पूजन, भरतपुर में गंगा आरती व दीपदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा 25 मई से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की जा रही है। गंगा दशमी के शुभ अवसर पर प्रारंभ होने वाला यह अभियान विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की साफ-सफाई या पौधारोपण तक सीमित नहीं होकर समाज के प्रत्येक वर्ग को जल संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए इसे जीवन का प्रण बनाना है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन के साथ पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों, उद्योगपतियों, युवाओं, महिलाओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रदेश में वर्षा की अनियमितता और लगातार बढ़ती जल आवश्यकताओं को देखते हुए परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण को अभियान का मुख्य आधार बनाया गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री 25 मई को टोंक में बीसलपुर बांध पर जल पूजन और शिव मंदिर में अभिषेक के साथ अभियान का शुभारंभ करेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री ईसरदा, बंध बरेठा और गालवा बांध का हवाई सर्वेक्षण भी करेंगे। इसी दिन मुख्यमंत्री भरतपुर के गंगा माता मंदिर में आरती और सुजानगंगा नहर में दीपदान भी करेंगे।

प्रदेशभर में इसी दिन कुओं, बावड़ियों, तालाबों, नहरों एवं अन्य जल स्रोतों के पूजन के साथ जिला स्तरीय अभियान की शुरुआत होगी। इस दौरान जिले से लेकर ग्राम स्तर तक जल स्रोतों पर स्वच्छता अभियान, श्रमदान, दीप प्रज्वलन और जन-जागृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, जल संसाधन विभाग द्वारा जल उपयोगिता संगम और किसानों के सहयोग से नहरों एवं खालों की साफ-सफाई की जाएगी। साथ ही, नदी, बांधों, सरोवर एवं नहरों पर पूजन किया जाएगा। वहीं, नए जल संरक्षण कार्यों का शिलान्यास, भूमि पूजन एवं पूर्ण कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा। विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से वंदे गंगा प्रभात फेरियां, गंगा दशहरा की महत्ता पर लेखन प्रतियोगिताएं तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा कलश यात्राएं निकाली जाएंगी तथा पीपल पूजन, पौधारोपण एवं ईको फ्रेंडली स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

मंगलवार, 26 मई को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जल संरक्षण एवं जनभागीदारी को लेकर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे। वहीं, अधिकतम संख्या में लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही, अमृत सरोवर एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाओं के नए कार्यों का शिलान्यास और पूर्ण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण की अग्रिम तैयारियों के साथ 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' के तहत जल संरक्षण कार्यों की शुरुआत भी होगी।

27 मई को पशुपालन, गोपालन, देवस्थान विभाग, आरसीडीएफ एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा गोशालाओं, पशु चिकित्सालयों और दुग्ध संघों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर धार्मिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं, भामाशाहों और गणमान्य नागरिकों की संगोष्ठियां आयोजित कर जल संरक्षण को लेकर संवाद किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने 5 किलोमीटर साइकिल चला कर खेलों के प्रति जागरूकता और फिटनेस का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में रविवार को फिट इंडिया साइकिल संडे कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष इस आयोजन की थीम कॉमनवेल्थ डे 2030 रखी गई थी, जिसमें खिलाड़ियों, अधिकारियों, युवाओं और फिटनेस प्रेमियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्टेडियम परिसर के चारों ओर आयोजित साइकिल रैली रही। इस रैली का उद्देश्य नागरिकों में शारीरिक स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली और कॉमनवेल्थ खेल 2030 के प्रति जागरूकता फैलाना था। इसके साथ ही जुम्बा सत्र भी आयोजित किया गया, जिसने कार्यक्रम को और अधिक ऊर्जावान बना दिया।

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने सीआरपीएफ जवानों एवं अन्य प्रतिभागियों के साथ 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर देशभक्ति और खेल उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य चेतना और कॉमनवेल्थ 2030 की तैयारी की दिशा में एक सार्थक शुरुआत है। केंद्रीय सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें सीआरपीएफ के डीआईजी श्री बृजेश तथा सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट प्रमुख रहे।

राजस्थान राज्य खेल परिषद के सचिव प्रवीण गुप्ता और वित्त सचिव टीना सोनी ने भी साइकिलिंग कार्यक्रम में स्वयं भाग लेकर युवाओं को प्रेरित किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधिकारियों ने भी युवा भागीदारी और फिटनेस जागरूकता को प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व, सामुदायिक खेल भागीदारी और भारत के बढ़ते खेल परिवेश पर प्रकाश डाला।

प्रतिभागियों ने इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि जयपुर तथा पूरे राजस्थान में ऐसे और अधिक सार्वजनिक फिटनेस कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। कार्यक्रम का समापन एक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने फिटनेस, अनुशासन और वैश्विक मंच पर भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं के समर्थन का प्रण लिया।

बालोतरा का सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स देश की सामरिक सुरक्षा में निभाएगा अहम भूमिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिम राजस्थान का बालोतरा जिला रिफाइनरी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना से देश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ सामरिक और आर्थिक सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाने जा रहा है। यहां सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में दुर्लभ खनिजों का ऐसा भंडार मिला है, जो भारत को रॉकेट से लेकर न्यूक्लियर प्लांट्स का कच्चा माल उपलब्ध करवाने और देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में सहायक होगा।

केन्द्रीय खान मंत्रालय की टेक्निकल कम कॉस्ट कमिटीज की संयुक्त बैठक में सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में मौजूद दुर्लभ खनिजों के भंडार को रेखांकित किया है। हाल ही में आयोजित इस बैठक में बताया गया कि कॉम्प्लेक्स के तीन भागों में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई), हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स (एचआरईई) और क्रिटिकल रेयर मेटल्स का विशाल भंडार मिला है। इन ब्लॉक्स के तकनीकी मूल्यांकन के लिए तीन कंपनियों को कार्य भी

आवंटित कर दिया गया है।

सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एक ज्वालामुखी कुंड है, जो 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इस कॉम्प्लेक्स के सर्वेक्षण में नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स पाए गए हैं। इन एलिमेंट्स का उपयोग एयरोस्पेस इंजन के लिए सुपरअलॉय मेटेरियल के साथ ही चिकित्सा तथा वैज्ञानिक उपकरणों में उपयोग होने वाले सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट में किया जाता है। वहीं, परमाणु रिएक्टर, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल तकनीक, रोबोटिक्स, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक प्रसंस्करण में इन दुर्लभ खनिज का इस्तेमाल किया जाता है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी और अन्य हाई-एंड तकनीकों के प्रयोग में लिए जाते हैं। इस प्रकार, ये रेयर अर्थ एलिमेंट्स देश की सामरिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एवं सिवाना ग्रेनाइट में रेयरअर्थ एलिमेंट एवं हेवी रेयरअर्थ एलिमेंट उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। वहीं, इस संबंध में खान विभाग एवं संबंधित जिला कलक्टर केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करें, जिससे काम में तेजी आ सके।

वहीं, राज्य सरकार रेयर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना भी कर रही है। यह केंद्र दुर्लभ खनिजों के अनुसंधान, नवाचार और रणनीतिक विकास में महती भूमिका निभाएगा। इसी के साथ, राज्य सरकार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एटॉमिक, मिनरल्स डॉयरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एवं रिसर्च आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी आईएसएम धनबाद के साथ साझेदारी कर ऐसे खनिजों की खोज और अनुसंधान को नई गति प्रदान कर रही है।

राजसमंद में सड़क दुर्घटना में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले में रविवार को सड़क दुर्घटना में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा सेलगुड़ा गांव के पास आमेट-देवगढ़ राज्य राजमार्ग पर हुआ जब देवगढ़ की ओर से आ रहे ट्रेलर ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीड़ित और मोटरसाइकिल ट्रेलर के नीचे फंस गए और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि ट्रेलर जब्त कर लिया गया है।

थाना प्रभारी ओमसिंह चुंडावत ने बताया कि मृतकों की पहचान आमेट के निवासियों मुकेश जोशी (40), उनके भतीजे कुलदीप (7) और एक अन्य रिश्तेदार लक्षदीप (3) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि लोग ढेलाना में स्थित भेरूजी मंदिर जे रहे थे। दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

पुलिसकर्मियों के तनाव को कम करने के लिए संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने कर्मियों में तनाव को कम करने के उद्देश्य से रविवार को राज्यव्यापी विशेष फिटनेस कार्यक्रम शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम में योग, जुम्बा और साइक्लिंग जैसी गतिविधियां की गईं। यह कार्यक्रम राज्य के सभी जिला पुलिस इकाइयों, बटालियनों और प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित किया गया। इसे भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक (सशस्त्र बटालियन) और मुख्य खेल अधिकारी रूपिंदर सिंह ने राज्यभर की सभी इकाइयों को अभियान की तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। इस पहल के तहत रविवार सुबह योग सत्र से शुरुआत हुई, जिसके बाद जुम्बा, रस्सी कूद और साइक्लिंग जैसी गतिविधियां की गईं। इस पहल का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रखना और उन्हें व्यस्त कार्यक्रमों के बीच तनाव से राहत दिलाना है। अधिकारियों ने बताया कि गतिविधियां सुबह छह बजे से साढ़े सात बजे तक की गईं।

अलवर में भीषण हादसा: प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगने से करोड़ों का नुकसान

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 स्थित गिरधर रोलरेप प्राइवेट लिमिटेड में शनिवार को रात में भीषण आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग रात करीब साढ़े बजे लगी और कुछ ही समय में पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि इसकी लपटें शहर में दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। कंपनी में प्लास्टिक दाना निर्माण का काम होता है। आग की सूचना मिलते ही भिवाड़ी नगर परिषद और रीको फायर विभाग की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

भीषण गर्मी का दौरा जारी, जैसलमेर में तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है और पश्चिमी हिस्सों में तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है जबकि जैसलमेर में पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान सबसे अधिक 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर स्थित मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र ने लू की चेतावनी दी और अगले तीन से चार दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया। मौसम विभाग ने बताया कि 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान है, साथ ही तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

विभाग ने बताया कि 26 और 27 मई को पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 4647 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है और कुछ स्थानों पर भीषण लू की स्थिति बन सकती है। मौसम केंद्र के मुताबिक, हालांकि 2829 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ राहत ला सकता है और इस दौरान तेज आंधी व 5060 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश का अनुमान है। विभाग ने इससे अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद जताई। अधिकारियों ने यह भी बताया कि आंधी और बारिश की गतिविधियां जून के पहले सप्ताह तक जारी रह सकती हैं, जिससे बीच-बीच में गर्मी से राहत मिलेगी।

भू-जल संकट गहराया, पानी में फ्लोराइड की अधिक मात्रा से स्वास्थ्य के लिए बढ़ा खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान गहराते भू-जल और जन स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। फ्लोराइड प्रदूषण, गिरते जलस्तर और बढ़ते रोग ने राज्य के बड़े हिस्सों को प्रभावित किया है। यह जानकारी भाजपा नेता विजय सिंह बैंसला द्वारा तैयार की गई एक भेद्यता विश्लेषण रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्थान का भू-जल संकट चक्रात्मक नहीं, बल्कि संरचनात्मक हो गया है, क्योंकि समीक्षा अवधि के दौरान हर साल निकासी प्राकृतिक पुनर्भरण से अधिक रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में भू-जल निकासी वार्षिक पुनर्भरण का 151 प्रतिशत तक पहुंच गई, यानी हर एक लीटर प्राकृतिक पुनर्भरण के मुकाबले 1.51 लीटर पानी निकाला गया। उस वर्ष राज्य का भू-जल अधिविकर्ष (ओवरड्राफ्ट) 4.43 अरब घन मीटर तक पहुंच गया।

रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अत्यधिक दोहन वाले भूजल ब्लॉक की संख्या 2015 के 198 से बढ़कर 2022 में 219 हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान सुरक्षित श्रेणी वाले ब्लॉक 52 से घटकर 38 रह गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉनसून से पहले भू-जल गहराई 2015 में 24.5 मीटर थी, जो 2024 में बढ़कर 28.8 मीटर हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, अब लगभग हर पांच में से चार भू-जल ब्लॉक 'गंभीर' या 'अत्यधिक दोहन वाली' श्रेणी में आते हैं। विश्लेषण ने खराब जल गुणवत्ता के स्वास्थ्य परिणामों पर भी ध्यान दिया।

पश्चिमी राजस्थान का फ्लोराइड क्षेत्र नागौर, बाड़मेर, जालोर, जोधपुर, सीकर और झुंझुनूं सबसे अधिक प्रभावित पाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, सत्रह जिलों में फ्लोराइड स्तर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की सीमा (1.5 मिलीग्राम/प्रतिलीटर) से अधिक पाया गया। नागौर में सबसे अधिक 5.8 मिलीग्राम/प्रतिलीटर दर्ज हुआ, जो सीमा से लगभग चार गुना है। आईसीएमआर से जुड़ी सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, नागौर में 68 प्रतिशत लोग डेंटल फ्लोरोसिस और 24 प्रतिशत लोग स्केलेटल फ्लोरोसिस से प्रभावित हैं। लंबे समय तक फ्लोराइड युक्त पानी पीने से अस्थि क्षति, गुर्दे की बीमारियां और हृदय संबंधी तनाव हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोराइड प्रभावित जिलों में शिशु मृत्यु दर भी अधिक पाई गई। इन जिलों में औसतन 45.9 प्रति 1000 जीवित जन्म रही, जबकि अपेक्षाकृत साफ पानी वाले जिलों में यह दर 37.5 रही। बाड़मेर में राज्य की सबसे अधिक शिशु मृत्यु दर 56 प्रति 1000 जीवित जन्म दर्ज हुई। रिपोर्ट के अनुसार, नागौर, बाड़मेर, जालौर और जैसलमेर को सबसे अधिक संवेदनशील जिलों में रखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 4.6 करोड़ से अधिक लोग उच्च या अत्यधिक संवेदनशीलता वाले जिलों में रहते हैं। दक्षिणी आदिवासी जिले बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ में भू-जल गुणवत्ता अपेक्षाकृत सुरक्षित पाई गई, लेकिन गरीबी, स्कूल छोड़ने और बाल विवाह की दरें अधिक हैं। बैसला ने हाल ही में मुख्यमंत्री कार्यालय को राजस्थान भू-जल पुनर्भरण और स्थिरता नीति 2026 शीर्षक से एक नीति पत्र भी सौंपा। इसमें प्रस्ताव है कि विधायक और सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वार्षिक भू-जल पुनर्भरण लक्ष्य तय करें और कम से कम 30 प्रतिशत स्थानीय क्षेत्र विकास निधि पहले दो वर्षों में पुनर्भरण कार्यों पर खर्च करें।

नीति पत्र में तिमाही सार्वजनिक प्रदर्शन रिपोर्ट, तृतीय-पक्ष अंकेक्षण और लक्ष्य हासिल करने वाले निर्वाचन क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने का सुझाव है। बैंसला ने कहा कि जल संकट का सीधा असर आर्थिक उत्पादन, जनस्वास्थ्य और दीर्घकालिक सामाजिक परिस्थितियों पर पड़ता है। उन्होंने कहा, मेरे विचार में हम अत्यधिक आपात स्थिति में हैं। सरकार का अधिकांश ध्यान इसी दिशा में होना चाहिए, क्योंकि पानी का सीधा संबंध स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और सबसे महत्वपूर्ण अगली पीढ़ी से है।

विश्लेषण ने तीन-स्तरीय रणनीति सुझाई है। पहले चरण में अगले 12 महीनों के लिए आपात उपाय जैसे फ्लोराइड निष्कासन संयंत्र, फ्लोरोसिस जांच शिविर और अत्यधिक दोहन वाले ब्लॉक में नए भूजल निकासी परमिट पर रोक। मध्यम अवधि में जिला स्तर पर भेद्यता टास्क फोर्स, एक्वीफर पुनर्भरण परियोजनाएं और ब्लॉक स्तर पर निकासी मीटरिंग और दीर्घकालिक योजना में सैटेलाइट आधारित जलभृत (एक्वीफर) प्रबंधन, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, फ्लोरोसिस पुनर्वास केंद्र और बड़े पैमाने पर ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली अपनाने की सिफारिश की गई है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि राज्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम संचालित है। उन्होंने कहा, जिला अस्पतालों में मुफ्त फ्लोराइड परीक्षण उपलब्ध है और आशा व एएनएम कार्यकर्ता प्रभावित गांवों व स्कूलों में मरीजों की पहचान करते हैं। सरकार गंभीर स्केलटल फ्लोरोसिस मरीजों के लिए सुधारात्मक सर्जरी और पुनर्वास उपलब्ध कराती है तथा प्रभावित क्षेत्रों में कैल्शियम, विटामिन सी और आयरन युक्त आहार को बढ़ावा देती है। डॉ. प्रवीण मंगलूनिया ने कहा कि फ्लोराइड युक्त पानी से जोड़ों में दर्द, दांत खराब होना और हाथ-पांव में विकृति होती है। उन्होंने कहा, प्रभावित क्षेत्रों में फ्लोराइड-मुक्त पेयजल की आवश्यकता है।

भू-विज्ञानी प्रो. एम.के. पंडित ने कहा कि भू-जल स्तर लगातार गिर रहा है और इसका प्राथमिकता से समाधान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शहरीकरण की तेज रफ्तार इसका कारण है। बड़ी इमारतें बन रही हैं, लेकिन जल संरक्षण के ठोस उपाय नहीं किए जा रहे। जल संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. एस.के. जैन ने तालाब, झील, नदियां, चेक डैम और अन्य पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करने, गाद निकालने और भंडारण क्षमता बढ़ाने का सुझाव दिया ताकि भूजल पुनर्भरण सुधारा जा सके।

अलर्ट मोड पर जयपुर डिस्कॉम लोड बैलेंसिंग के लिए अभियंता दे रहे रात्रि पहरा

जयपुर। गर्मी में उपभोक्ताओं को बिजली की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम के अभियंता देर रात तक जाग कर 'पहरा' दे रहे हैं। निगम के सिटी सर्किल उत्तर एवं दक्षिण में कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता तथा अधिशासी अभियंताओं की ड्यूटी लगाई गई है और वे दिन भर ऑफिस में काम करने के बाद रात 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक पीक ऑवर्स के दौरान फील्ड में उतर जाते हैं।

इस दौरान वे अपने सब डिविजन एवं डिविजन में हैवी लोड वाले जीएसएस, फीडर, ट्रांसफॉर्मरों या पिलर बॉक्स को चेक करते हैं। जिन एरिया में लोड अधिक है, उसे कम विद्युत भार वाले दूसरे ट्रांसफार्मर, 11 केवी या 33 केवी फीडर अथवा जीएसएस पर शिफ्ट कर उसी समय लोड बैलेंसिंग करते हैं। बढ़े हुए भार के अनुरूप ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि की प्लानिंग भी इसी नाइट विजिलेंस का पार्ट है।

इस दौरान एफआरटी टीम की अलर्टनैस, खंड कार्यालयों में स्थापित कंट्रोल रूम के माध्यम से शिकायतों के निराकरण आदि को भी मापा जाता है। निरीक्षण के फोटो सर्किल ऑफिसर्स के ग्रुप में शेयर किए जाते हैं। इससे ट्रिपिंग तथा नो करंट संबंधी उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण में मदद मिल रही है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक जून के शुरू में होने की संभावना : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' के सदस्यों के जून के पहले सप्ताह में एक संयुक्त रणनीति पर चर्चा करने के लिए मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि विपक्षी खेमा एक लंबी राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार है। ममता ने 'फेसबुक लाइव' संबोधन में कहा, हम लड़ने के लिए तैयार हैं। हम अंत तक हार नहीं मानेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर नए सिरे से हमला करने के लिए इस मंच का इस्तेमाल करते हुए, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली का आरोप लगाया और दावा किया कि लगभग 150 विधानसभा क्षेत्रों में उनकी पार्टी के पक्ष में आए नतीजों को पलट दिया गया। ममता ने कहा, जीती हुई सीटों को हारी हुई सीटों में और हारी हुई सीटों को जीती हुई सीटों में बदल दिया गया। उन्होंने दावा किया कि ऐसा नहीं होता तो तृणमूल कांग्रेस को 220 से 230 सीट मिल जातीं। इन आरोपों को खारिज करते हुए, भाजपा की वरिष्ठ नेता केया घोष ने ममता पर चुनावी नतीजों को स्वीकार करने से इनकार करने और साजिश के सिद्धांतों के माध्यम से हार को सही ठहराने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

ईडी ने कारोबारी के घर पर तलाशी के दौरान चार करोड़ रुपए का सोना जब्त किया

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कारोबारी जय एस. कामदार के आवास पर तलाशी के दौरान लगभग चार करोड़ रुपए का सोना जब्त किया और एक संदिग्ध डायरी बरामद की। बताया जाता है कि कामदार पुलिस अधिकारी शांतनु सिन्हा बिस्वास के करीबी हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'सोना पप्पू' मामले के संबंध में ईडी की जारी जांच के तहत शुक्रवार को मध्य कोलकाता के मार्क्यूइस स्ट्रीट स्थित कामदार के आवास पर तलाशी ली गई। उन्होंने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बरामद किया गया सोना क्या कथित तौर पर बिस्वास से जुड़े कोष का उपयोग करके खरीदा गया था।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम ने उसके रिश्तेदारों, सहयोगियों, पुलिसकर्मियों और उससे जुड़े माने जाने वाले व्यापारियों से संबंधित कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि बिस्वास पर भूमि धोखाधड़ी तथा पुलिस तबादलों और तैनाती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं सहित कई आरोप लगे हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अगले चुनाव में सपा को शत-प्रतिशत सीट जीतनी हैं : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के सामने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत सीट जीतने का लक्ष्य रखते हुए पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को जीत की 'गारंटी' बताया। यादव ने सपा प्रदेश मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2022 में सपा सरकार बनाने से चूक गई थी और 2027 के विधानसभा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़नी है। उन्होंने कहा, जनता समाजवादी पार्टी के साथ है। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य शत प्रतिशत सीटें जीतने का है। इस बार उत्तर प्रदेश से भाजपा का पूरा सफाया करना है। पीडीए जीत की गारंटी है। यादव ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि वह चुनाव मिसाल है। उन्होंने कहा कि साल 2027 में सपा की सरकार बनने पर पीड़ित, दुखी, अपमानित लोगों के साथ न्याय होगा। सपा प्रमुख ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हार से भाजपा बौखलाई हुई है।

असम में दो करोड़ रु से अधिक मूल्य की कोडीन युक्त कफ सिरप जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की दो करोड़ रुपए से अधिक बोतल जब्त की गईं और इस सिलसिले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को कछार और कोकराझार जिलों में इस सिलसिले में अभियान चलाये गए। भारत में कोडीन को लेकर सख्त नियम हैं। कोडीन आधारित दवाओं की बिना चिकित्सा परामर्श के बिक्री प्रतिबंधित है और वैध चिकित्सा लाइसेंस के बिना इनका निर्माण या बिक्री करना स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत अवैध है। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि कछार में एक ट्रक से प्रतिबंधित सिरप की खेप जब्त की गई है। उन्होंने शनिवार को कहा, ''विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, कछार पुलिस ने एक ट्रक को रोका और उसमें से 2.1 करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित कोडीन फॉस्फेट सिरप बरामद किया।''

भाजपा के देबांग्शु पांडा बंगाल की फाल्टा विधानसभा सीट पर 1.09 लाख वोट के अंतर से विजयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने रविवार को फाल्टा विधानसभा सीट पर 1.09 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान चौथे स्थान पर रहे।

पुनर्मतदान से कुछ ही दिन पहले खान ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी, जिसे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने उनका निजी फैसला बताया था। हालांकि, उस समय नामांकन वापस लेना संभव नहीं था, इसलिए उनका नाम ईवीएम में बना रहा। पांडा को 1,49,666 वोट मिले, जबकि माकपा के शंभू नाथ कुर्मी 40,645 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस उम्मीदवार अब्दुर रज्जाक मोल्ला 10,084 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कुल 2.36 लाख मतदाताओं वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में खान को महज 7,783 वोट मिले। टीएमसी का 2011 से लगातार इस सीट पर कब्जा था और 2021 में इसने लगभग 57 प्रतिशत मतों के साथ जीत हासिल की थी।

इस जीत के साथ, निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड में राज्य विधानसभा में भाजपा की सीटों की संख्या बढ़कर 208 हो गई है। हालांकि, प्रभावी विधानसभा संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि अधिकारी ने नंदीग्राम सीट खाली करके भवानीपुर सीट बरकरार रखी है।

दिन की शुरुआत में रुझानों के आधार पर भाजपा की भारी जीत की संभावना जताई जा रही थी, ऐसे में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि जब लोगों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति दी गई तो ''वास्तविकता सामने आ गई''। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा को 'भारी जनादेश' देने के लिए वह 'फाल्टा की जनता को नमन' करते हैं। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने एक लाख वोट के अंतर से जीत दिलाने की अपील की थी, लेकिन लोगों ने इस लक्ष्य से अधिक वोट से विजय दिला दी।

कांग्रेस-झामुमो 'वोट बैंक' की राजनीति में लिप्त, आदिवासियों को बांटने की कोशिश कर रहे : मरांडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने रविवार को कांग्रेस और झामुमो पर ''वोट बैंक'' की राजनीति करने और राज्य में आदिवासी समुदायों को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि छोटा नागपुर पठार क्षेत्र के आदिवासी समुदायों द्वारा प्रमुख रूप से माने जाने वाले सरना और सनातन धर्म में कोई अंतर नहीं, बल्कि समानता है।

मरांडी ने यहां प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, ''कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अपने वोट बैंक के लिए आदिवासी समुदायों को बांटने की राजनीति में लिप्त हैं।'' मरांडी ने आरोप लगाया, ''देश भर में जनता द्वारा कांग्रेस को नकारे जाने के कारण, पार्टी समाज को विभाजित करने की रणनीति अपना रही है। कांग्रेस नेताओं का यह आरोप कि भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) आदिवासियों को हिंदू बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इन्हीं रणनीतियों का हिस्सा है। समाज को विभाजित करना और सत्ता हथियाना कांग्रेस के स्वभाव में ही निहित है।''

प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने दिल्ली में आयोजित आदिवासी कार्यक्रम की आलोचना करते हुए इसे भाजपा का ''राजनीतिक स्टंट'' करार दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 'जनजाति सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम आरएसएस से जुड़े जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित किया गया और भाजपा इसका राजनीतिक लाभ उठाना चाहती थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि देशभर में आदिवासी समुदायों के अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है।

बिहार सरकार जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए तत्परता से काम कर रही : विजय चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन के ''ज्वलंत मुद्दे'' पर गंभीरता और संवेदनशीलता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नवगठित बिहार जलवायु हरित कोष (बीसीजीएफ) हरित आवरण बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पटना में पत्रकारों से बातचीत में चौधरी ने कहा कि यह कोष जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में स्थापित यह कोष आने वाले वर्षों में बिहार के हरित आवरण को बढ़ाने में सहायक होगा। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कितनी गंभीर है।'' उन्होंने कहा कि इस कोष में विभिन्न विभागों की निविदाओं और अनुबंधों पर 0.25 प्रतिशत उपकर, खनन रॉयल्टी पर 0.5 प्रतिशत उपकर और नए वाहनों के पंजीकरण पर एक प्रतिशत उपकर से राजस्व प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, स्वैच्छिक सार्वजनिक योगदान और उद्योगों की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) से भी इस कोष को सहायता मिलेगी। चौधरी ने कहा, ''ऐसे समय में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जूझ रही है और वैश्विक मंच समाधानों पर चर्चा कर रहे हैं, इससे निपटने के लिए बिहार सरकार का संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण अनुकरणीय है।''

बंगाल सरकार ने अवैध रूप से रहे विदेशियों के लिए निरुद्ध केंद्र बनाने का निर्देश दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को अवैध रूप से देश में रहने के आरोप में ''गिरफ्तार किए गए विदेशियों'' के साथ-साथ ''निर्वासन, या रिहाई के बाद स्वदेश वापसी की प्रतीक्षा कर रहे विदेशी कैदियों'' को रखने के लिए निरुद्ध केंद्र बनाने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग द्वारा शनिवार को जारी एक अधिसूचना में, देश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के निर्वासन की प्रक्रिया के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया, ''इस संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि जिले में गिरफ्तार किए गए विदेशियों के साथ-साथ निर्वासन/स्वदेश वापसी की प्रतीक्षा कर रहे रिहा विदेशी कैदियों के लिए निरुद्ध केंद्र स्थापित करने के लिए पहल/उचित कार्रवाई की जाए।''

राज्य के सभी जिलाधिकारियों को भेजे गए इस पत्र में गृह मंत्रालय के दो मई 2025 के एक पत्र का उल्लेख किया गया है, जिसमें ''देश (भारत) में अवैध रूप से रहने के आरोप में पकड़े गए बांग्लादेशियों/रोहिंग्याओं के निर्वासन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में बताया गया है।'' इस आदेश की प्रतियां पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक, सभी पुलिस आयुक्तालयों, पुलिस अधीक्षकों और कोलकाता स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को भी भेजी गईं।

'कंप्रोमाइज्ड' प्रधानमंत्री 'करीबी मित्र' को खुश करने में लगे हैं : रूबियो के बयान पर बोली कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के उस बयान को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर का अमेरिकी सामान खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। विपक्षी पार्टी ने यह आरोप भी लगाया कि ''कंप्रोमाइज्ड पीएम'' अपने ''करीबी मित्र'' को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी सवाल उठाया कि मोदी सरकार ने ''जनविरोधी'' और ''खतरनाक'' उस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को निरस्त करने का साहस क्यों नहीं दिखाया। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि मोदी सरकार ने अमेरिका से रिकॉर्ड आयात करने पर सहमति क्यों जताई, जबकि प्रधानमंत्री ने पहले ही नागरिकों से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए घरेलू ईंधन की खपत और विदेश यात्राएं कम करने का आग्रह किया था। उन्होंने पूछा, ''क्या अमेरिका से आयात में यह भारी वृद्धि रुपए की गिरावट को और तेज नहीं करेगी?'' रमेश ने 'एक्स' पर कहा, ''10 मई 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 5:37 बजे अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सबसे पहले युद्धविराम की घोषणा की थी, जिससे 'ऑपरेशन सिंदूर' अप्रत्याशित रूप से रुक गया। उन्होंने दावा किया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के कारण ही यह युद्धविराम संभव हो पाया।''

डीआरआई ने गोरखपुर में जब्त कीं विदेश में निर्मित तीन लाख सिगरेट

लखनऊ/भाषा। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक ट्रक की तलाशी के दौरान म्यांमा से भारत में तस्करी करके लाई गई विदेश में निर्मित तीन लाख सिगरेट स्टिक बरामद कीं।

डीआरआई ने रविवार को एक बयान में बताया कि तस्करी करके सिगरेट स्टिक लाए जाने के बारे में सूचना मिलने पर निदेशालय के अधिकारियों ने शनिवार को गोरखपुर में असम से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे एक ट्रक को रोककर उसकी गहन तलाशी ली, जिसमें 30 बड़े डिब्बों में विदेश में निर्मित एक प्रमुख ब्रांड की कुल तीन लाख सिगरेट स्टिक बरामद की गईं, जिनकी कीमत 45 लाख रुपए है। ट्रक में दिखाने के लिए बांस के 9.42 मैट्रिक टन वजन के टुकड़े लदे थे लेकिन बहुत चालक के केबिन के पीछे एक जगह बनाकर उसमें सिगरेट से भरे डिब्बे छुपाए गए थे। बरामद सिगरेट को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 तथा सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 के तहत जब्त किया गया है। पिछले आठ महीने में डीआरआई ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग मामलों में दो करोड़ 32 लाख रुपए मूल्य की विदेश में निर्मित कुल 15,32,000 सिगरेट स्टिक जब्त की हैं।

दहेज उत्पीड़न मामला: त्विषा शर्मा का अंतिम संस्कार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कथित तौर पर दहेज उत्पीड़न के कारण जान गंवाने वाली नोएडा की निवासी मॉडल एवं अभिनेत्री त्विषा शर्मा का रविवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके भाई हर्षित शर्मा ने चिता को मुखाग्नि दी। इसके साथ ही परिवार की 12 दिन लंबी पीड़ा भरी प्रतीक्षा समाप्त हुई, हालांकि न्याय की उनकी लड़ाई अब भी जारी है।

भदभदा विश्राम घाट पर अंतिम संस्कार से पहले रविवार को एम्स, दिल्ली की चिकित्सकीय टीम ने एम्स भोपाल में त्विषा का दूसरा पोस्टमार्टम किया। पूर्व मिस पुणे त्विषा (33) का शव 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में ससुराल वालों के मकान में फंदे से लटका हुआ मिला था। चिता को मुखाग्नि दिए जाते ही परिवार के सदस्य फूट-फूटकर रोने लगे।

अंतिम संस्कार में देरी हुई क्योंकि एम्स, दिल्ली की विशेषज्ञ टीम ने करीब चार घंटे तक दूसरा पोस्टमार्टम किया। यह प्रक्रिया मुख्य रूप से साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और उन चोटों की जांच पर केंद्रित रही, जिन्हें परिवार के अनुसार शुरुआती जांच में नजरअंदाज किया गया था। त्विषा के पिता नवनीधि शर्मा ने बेटी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''वह मां की तरह हमारी देखभाल करती थी। उसके बिना कैसे जी पाएंगे, पता नहीं। यह मामला आने वाले समय में एक उदाहरण बनेगा। उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वत: संज्ञान लिए जाने से न्याय की उम्मीद जगी है।'' अंतिम संस्कार से कुछ घंटे पहले जारी बयान में नोएडा के निवासी शर्मा परिवार ने कहा कि लंबे इंतजार के कारण उन्हें हिंदू परंपराओं का उल्लंघन करना पड़ा, जिनके अनुसार मृत्यु के बाद की रस्में सामान्यत: 13 दिन में पूरी की जाती हैं। परिवार ने कहा कि किसी भी माता-पिता के लिए अपनी युवा बेटी के पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई देना सबसे बड़ा दुख होता है और उन्हें अंतिम संस्कार के लिए कई दिन तक इंतजार करना पड़ा। अंतिम संस्कार के दौरान त्विषा की मां रेखा शर्मा बेसुध होने की स्थिति में पहुंच गईं। वहां मौजूद महिलाओं ने उन्हें पास के लॉन में ले जाकर चेहरे पर पानी छिड़का।

सरकार बुनियादी ढांचे पर ध्यान दे रही, खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास करें : खडसे

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने रविवार को खिलाड़ियों से कहा कि वे अपने-अपने खेलों में पूरी लगन और मेहनत के साथ बेहतरीन प्रदर्शन करने का प्रयास करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार सभी स्तरों पर खेलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है, ताकि युवा प्रतिभाओं को विश्व-स्तरीय ट्रेनिंग सुविधाओं के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

राज्य की युवा मामले और खेल मंत्री खडसे असम में 'खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' और गुवाहाटी में 'हाई परफॉर्मेंस सेंटर' के दौरे के दौरान बोल रही थीं। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों, कोचों, खेल विज्ञान विशेषज्ञों और अधिकारियों से बातचीत की। खडसे ने खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उनके समर्पण और लगन की सराहना की। उन्होंने उन्हें अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ बेहतरीन प्रदर्शन की दिशा में लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

जोफ्रा आर्चर के हरफनमौला खेल से मुंबई इंडियंस को हराकर राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जोफ्रा आर्चर के हरफनमौला खेल की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 30 रन से हराकर प्लेऑफ का टिकट पक्का किया।

आर्चर ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लड़खड़ाने के बाद 32 रन की अहम पारी खेली और गेंदबाजी में चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट चटकाए। बृजेश शर्मा (चार ओवर में 26 रन), नांद्रे बर्गर (चार ओवर में 43 रन) और यश राज पुंजा (चार ओवर में 44 रन) ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। रॉयल्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद अपने करो या मरो मैच में आठ विकेट पर 205 रन बनाने के बाद मुंबई की पारी को नौ विकेट पर 175 रन पर रोक दिया। इस जीत के साथ ही रॉयल्स के 14 मैचों में 16 अंक हो गए और उसने अंक तालिका में चौथा स्थान पक्का कर लिया। इसके साथ ही पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की उम्मीदें खत्म हो गईं। प्लेऑफ की दौड़ से पहले से ही बाहर मुंबई इंडियन्स का अभियान नौवें स्थान पर खत्म हुआ। टीम के लिए सूर्यकुमार यादव ने 60, जबकि कप्तान हार्दिक पंड्या ने 34 और विल जैक्स ने 33 रन का योगदान दिया।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर राजस्थान की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही, लेकिन ध्रुव जुरेल ने 26 गेंद में 38, आर्चर ने 15 गेंद में 32, दासुन शनाका ने 15 गेंद में 29 और यशस्वी जायसवाल ने 17 गेंद में 27 रन का अहम योगदान दिया। रविंद्र जडेजा (नाबाद 19) और नांद्रे बर्गर (नाबाद 10) ने आखिरी ओवरों में 13 गेंद में 30 रन की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई इंडियन्स के लिए दीपक चाहर ने 43 और शार्दुल ठाकुर ने 41 रन देकर दो-दो विकेट लिए।

गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के लंबी दूरी के शीर्ष धावक गुलवीर सिंह ने लॉस एंजिलिस में आयोजित एलए ट्रैक फेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में नया आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर स्तर की इस प्रतियोगिता में गुलवीर ने 13 मिनट 03.93 सेकेंड का समय लिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने ही आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13:11.82 में सुधार किया। इस 27 साल के धावक ने पिछले वर्ष बोस्टन में आयोजित टेरियर डीएमआर चैलेंज इंडोर प्रतियोगिता में 12 मिनट 59.77 सेकेंड का समय निकाला था, जो 5000 मीटर में उनका समग्र राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना हुआ है। लॉस एंजिलिस में दर्ज किया गया समय उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। एलए ट्रैक फेस्ट में हैबटोम सैमुअज ने 12 मिनट 57.23 सेकेंड का विश्व का सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि गुलवीर दूसरे स्थान पर रहे। गुलवीर मौजूदा एशियाई चैंपियन भी हैं और उनके नाम 10,000 मीटर तथा हाफ मैराथन के राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी दर्ज हैं।

सुविचार

झुकने से अगर रिश्ता गहरा हो तो झुक जाओ, पर हर बार आपको ही झुकना पड़े, तो रुक जाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिर एक नया शिगूफा

देश-दुनिया में कुछ ऐसे तत्त्व सक्रिय हैं, जिनकी खास मंशा है कि किसी तरह एक मौका मिले और वे भारत को अस्थिर करें। जब उनकी तमाम साजिशें नाकाम हो गईं तो अब नया शिगूफा छेड़ दिया- 'कॉकरोच जनता पार्टी'। इसके पीछे छिपे तत्त्वों को उम्मीद है कि शायद इस बार हमारी नैया पार हो जाए, लेकिन उनके अरमानों पर पानी फिर गया। हालांकि सोशल मीडिया पर ऐसी हरकतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। वहीं, जनता काफी सतर्क है कि यह हमारी भावनाओं को भड़का कर सत्ता हथियाने का कोई प्रयोग न हो। लोग पहले ही ऐसे प्रयोगकर्ताओं द्वारा ठगे जा चुके हैं, इसलिए कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। कथित पार्टी के नाम से ही स्पष्ट है कि यह कोई गंभीर राजनीतिक प्रयास नहीं, बल्कि एक खास आयु वर्ग को लुभाकर हुड़दंग मचाने का कार्यक्रम है। भारत में पहले भी टूल किट का पर्दाफाश हो चुका है। लोगों के दिलो-दिमाग से खेलने की चालें काफी पुरानी हैं। कुछ खुफिया एजेंसियों को इस काम में महारत हासिल है। उनकी नजरें उस गिद्ध जैसी होती हैं, जो हमेशा अपने शिकार की तलाश में रहता है। किसके घर में उसके ही सदस्यों से कैसे आग लगवानी है, उसके बाद किस तरह अपनी रोटी सेकनी है ... यही उनका पेशा है। भीड़ को उकसाना आसान होता है। सोशल मीडिया के दौर में ऐसे तत्त्वों को नया हथियार मिल गया है। अब वे अपने घर में बैठे-बैठे ही विदेशों में अशांति फैला सकते हैं। भीड़ की एक खास आदत होती है- वह सोचने-समझने की कोशिश नहीं करती। अगर किसी दिशा में पचास लोग भागे जा रहे हैं तो अगले चौराहे तक यह संख्या अपनेआप बढ़ जाएगी। अगर किसी मोहल्ले में पांच लोग मशीन से खुदाई कर रहे हैं तो आते-जाते लोग वहां इकट्ठे हो जाएंगे और हर कोई अपनी राय देगा।

हाल में एक मशहूर ब्रांड की घड़ी बिक्री के लिए पेश की गई तो उसे खरीदने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। उसमें कई लोगों को घड़ी के बारे में पता ही नहीं था। जब उनसे पूछा गया तो जवाब मिला, 'सब लोग इधर आ रहे थे तो हम भी आ गए!' यही मानसिकता कथित कॉकरोच जनता पार्टी के अचानक उभरने की वजह है। लोगों के जीवन में पहले से ही कई समस्याएं हैं। प्रशासन से काफी शिकायतें हैं। उनकी उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं, जबकि काम उस स्तर पर हो नहीं रहे हैं। सोशल मीडिया पर जैसी सामग्री आ रही है, उसे देखकर निराशा पैदा होती है। सरकारी दफ्तरों में घूसखोरी के रोग का कोई पुख्ता इलाज नहीं हो रहा है। इन सबसे मन में दबी भड़ास जोर मारती है और जब व्यवस्था के विरोध में कोई स्वर उभरता है तो लोग उसे हाथोंहाथ लेते हैं। उनके मन में उम्मीद पैदा होती है कि 'इससे कुछ बेहतरी आ सकती है ... ये कुछ सुधार कर सकते हैं ... शायद इससे हमारी तकलीफें दूर हो सकती हैं।' लोग उनकी बातों पर आंखें मूंदकर विश्वास करने लगते हैं। इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी के नाम पर साइबर ठगी की कोशिशें भी शुरू हो चुकी हैं। इस संबंध में पंजाब पुलिस को परामर्श जारी करना पड़ा है। लोगों के पास वॉट्सऐप पर एक लिंक आता है। उनसे कहा जाता है कि इस पर क्लिक कर पार्टी के सदस्य बन सकते हैं। वे जैसे ही उस लिंक पर क्लिक करते हैं, उनके मोबाइल फोन में वायरस-युक्त फाइल इंस्टॉल हो जाती है। उसके बाद मोबाइल फोन पर साइबर ठगों का नियंत्रण हो जाता है। वे निजी तस्वीरें, दस्तावेज और अन्य सामग्री चुरा सकते हैं। साथ ही, बैंक खातों में सेंध लगाकर रकम उड़ा सकते हैं। यही नहीं, वे उस व्यक्ति के नाम पर कर्ज ले सकते हैं। भावनाओं में बहकर लिया गया ऐसा फैसला बहुत महंगा पड़ सकता है। सावधान रहें!

ट्वीटर टॉक

एथलेटिक्स फेडरेशन कप में 100 मीटर की दौड़ 10.09 सेकंड में पूरी करके गोल्ड मेडल जीतने और नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने के लिए स्प्रिंटर गुरिंदरवीर सिंह को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं! इस शानदार परफॉर्मेंस के साथ, वह भारत के पहले एथलीट बन गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 100 मीटर की दौड़ सिर्फ़ 10.09 सेकंड में पूरी करके नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने के लिए युवा एथलीट गुरिंदरवीर सिंह जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। आपकी शानदार सफलता देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

-दिया कुमारी

जयपुर में, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री राजीव गांधी के शहीदी दिवस के अवसर पर, राजीव गांधी इंस्पिरेशन फाउंडेशन द्वारा आयोजित, आज शाम जयपुर में आयोजित संगीत कार्यक्रम एक शाम आधुनिक भारत के निर्माता राजीव गांधी जी के नाम में भाग लेकर मैंने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

देहधारी देवी

जेन एडम्स के पिता एक सीनेटर और उद्योगपति थे। उन्होंने अपनी एकमात्र पुत्री के लिए अपार संपत्ति संजोकर रखी थी, लेकिन जेन ने वह समय श्रेष्ठ पुस्तकों के अध्ययन में लगाया। पिता के निधन के बाद, उन्होंने सारी संपत्ति बेचकर अमेरिका में एक 'डल हाउस' नामक मानव सेवा संस्थान बनाया। उनका प्रत्यक्ष उद्देश्य सस्ता भोजन और सस्ता निवास उपलब्ध कराना था। इस बहाने हजारों लोग वहां आते और उन्हें लोकोपयोगी जीवन जीने की प्रेरणा मिलती। उनकी इस कार्य की महत्ता देखकर लाखों लोग उनके सहयोगी बन गए। जेन एडम्स ने महिलाओं, बच्चों, विकलांगों और रोगियों की सेवा-सहायता के लिए अनेक संस्थाएं चलाई। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला लीग की भी स्थापना की। नोबेल पुरस्कार उन्हें इसी कार्य के लिए मिला, और उन्होंने पुरस्कार की राशि लीग को दान कर दी। एडम्स आजीवन ब्रह्मचारिणी रहीं। उन्हें करुणा की मूर्ति और देहधारी देवी माना जाता है।

सामयिक

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आम मुद्दों पर केंद्रित हो

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है- सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। सत्यं वद, धर्मं चर, वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल हिंदू विरोध बनाम राजनीतिक विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रुवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।

नजरिया

मानव जीवन बनाम पशु प्रेमः समाधान कब निकलेगा?

डॉ. अनिल कुमार निगम

आज आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकारें, नगर निकाय, स्वास्थ्य विभाग और पशु कल्याण संगठन मिलकर एक समन्वित नीति तैयार करें। हर जिले में पर्याप्त एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध हो, अस्पतालों में उपचार आसान बनाया जाए, और आवारा कुत्तों की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। साथ ही नागरिकों में भी जागरूकता बढ़ाई जाए कि कुत्ता काटने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लेना क्यों जरूरी है।

भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा अब केवल पशु-प्रेम और संवेदनशीलता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे नागरिकों के जीवन, सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की खतरनाक आवारा कुत्तों को मारने की अनुमति देने संबंधी टिप्पणी और निर्देश ने इस बहस को फिर से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। पहली नजर में यह आदेश सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसके पीछे छिपी वास्तविकता अत्यंत भयावह है। देशभर में प्रतिवर्ष लाखों लोग कुत्तों के काटने का शिकार हो रहे हैं और सैकड़ों लोग रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं। भारत में पशुओं के प्रति दया और संवेदना की परंपरा रही है। संविधान के नीति-निर्देशक तत्व भी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा रखने की बात करते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि कोई पशु मनुष्य के जीवन और सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए तो राज्य की जिम्मेदारी क्या होगी? क्या नागरिकों के मौलिक अधिकारों से ऊपर किसी भी प्रकार की भावनात्मक बहस को रखा जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में इसी संवैधानिक संतुलन की ओर संकेत किया है कि राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों का पहला दायित्व नागरिकों के जीवन और सुरक्षा की रक्षा करना है।

देश में आवारा कुत्तों के हमलों की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में भारत में कुत्तों के काटने के 30.43 लाख मामले दर्ज किए गए और 286 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2024 में भी लगभग 21.95 लाख कुत्ता काटने के मामले सामने आए, जिनमें 5 लाख से अधिक पीड़ित 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे थे। ये केवल सरकारी आंकड़े हैं, जबकि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अनेक मामले दर्ज ही नहीं हो पाते। एक शोध अध्ययन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 91 लाख पशु काटने के मामले सामने आते हैं और अनुमानित 5726 लोगों की मौत रेबीज से होती है। यह आंकड़ा इस ओर संकेत करता है कि समस्या केवल आवारा कुत्तों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों से भी जुड़ी हुई है।

दिल्ली, केरल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। दिल्ली में पांच वर्षों के दौरान रेबीज से 37 लोगों की मौतें हुईं। केरल सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया कि अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच राज्य में 3.63 लाख कुत्ता काटने के मामले सामने आए, जिनमें लगभग एक-तिहाई मामले आवारा कुत्तों से जुड़े थे। हैदराबाद में वर्ष 2022 से 2025 के बीच रेबीज से मौतों में चार गुना वृद्धि हो गई।

इन आंकड़ों के पीछे केवल संख्याएं नहीं, बल्कि भयावह मानवीय त्रासदियां छिपी हैं। कई मामले ऐसे सामने आए हैं जहां छोटे बच्चों को आवारा कुत्तों ने घेरकर हमला किया और उनकी मौत हो गई। उत्तर प्रदेश, केरल, तेलंगाना और दिल्ली में पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया। समस्या का सबसे दुखद पहलू यह है कि गरीब और सामान्य नागरिक को कुत्ता काटने के बाद सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए कई बार चक्कर काटने पड़ते हैं। कई जिलों में रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन की उपलब्धता नहीं होती। मजबूर होकर लोगों को निजी मेडिकल स्टोर से महंगे इंजेक्शन खरीदने पड़ते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो समय पर इलाज न मिलने से मौत का खतरा और बढ़ जाता है।

यह भी गंभीर प्रश्न है कि आखिर सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा। क्या राज्य सरकारों और नगर निकायों की यह जिम्मेदारी नहीं थी कि वे समय रहते प्रभावी कदम उठाते? नगर निगमों द्वारा नसबंदी और टीकाकरण अभियान अक्सर कागजों तक सीमित रह जाते हैं। अनेक शहरों में वर्षों से कुत्तों की वास्तविक गणना तक नहीं हुई है। परिणामस्वरूप आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। हालांकि इस मुद्दे का समाधान केवल हिंसा या सामूहिक हत्या नहीं हो सकता। पशु-प्रेमियों की चिंताओं को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत इस बात की है कि समस्या का वैज्ञानिक, मानवीय और संतुलित समाधान निकाला जाए। बड़े स्तर पर नसबंदी अभियान, एंटी रेबीज टीकाकरण, कचरा प्रबंधन और डॉग शेल्टर जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। जिन कुत्तों का व्यवहार अत्यधिक आक्रामक और जानलेवा हो चुका है, उनके संबंध में कानून के तहत उचित कार्रवाई करनी होगी। पशु-प्रेमियों को भी यह समझना होगा कि केवल भावनात्मक अपील से समस्या का समाधान संभव नहीं है। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा आवारा कुत्तों के हमले में घायल हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है, तो यह केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि पूरे परिवार के लिए आजीवन पीड़ा बन जाता है। इसलिए मानव जीवन और पशु संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही वास्तविक संवेदनशीलता होगी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकारें, नगर निकाय, स्वास्थ्य विभाग और पशु कल्याण संगठन मिलकर एक समन्वित नीति तैयार करें। हर जिले में पर्याप्त एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध हो, अस्पतालों में उपचार आसान बनाया जाए, और आवारा कुत्तों की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। साथ ही नागरिकों में भी जागरूकता बढ़ाई जाए कि कुत्ता काटने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लेना क्यों जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप वास्तव में शासन-प्रशासन की विफलता पर एक गंभीर टिप्पणी है। यदि स्थानीय निकाय और सरकारें समय रहते अपनी जिम्मेदारियां निभातीं तो शायद अदालत को इस विषय में दखल देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। अब समय आ गया है कि संवेदनशीलता, वैज्ञानिक सोच और संवैधानिक जिम्मेदारी के साथ इस समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाए, ताकि नागरिकों का जीवन सुरक्षित रह सके और बार-बार अदालत को हस्तक्षेप न करना पड़े। (हि.स.)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

तीन महिलाएं एक कहानी: दहेज के आरोप व 'मुझे घर ले चलो' की अनसुनी गुहार

नई दिल्ली/भाषा। इस महीने अपने ससुराल में मृत पायी गईं अपमानजनक विवाह में फंसी और कथित तौर पर पर्याप्त दहेज न लाने के लिए ताने झेल रहीं तीन युवतियों के शब्द भले ही अलग-अलग हों लेकिन अंतिम दिनों में मायके वालों के प्रति भावना शायद यही थी कृपया मुझे घर ले चलो। क्योंकि भोपाल की त्विषा शर्मा, नोएडा की दीपिका नागर और ग्वालियर की पलक रंजन कभी अपने मायके सुरक्षित वापस नहीं लौट सकीं। दहेज की मांग के आरोपों में घिरी उनकी मौत से उनके माता-पिता शोक और निराशा में डूबे हुए हैं।

तीनों मामलों में, परिवारों ने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने पैसों और उपहारों के रूप में दहेज की मांग की और उनकी बेटियों को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। उपहारों और भव्य पार्टियों के रूप में दहेज को आज भी कलंक नहीं माना जाता, जबकि तलाक को माना जाता है। भारत में प्रतिदिन औसतन 16 महिलाएं दहेज के कारण अपनी जान गंवाती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2024 में दहेज से संबंधित 5,737 मौत हुईं, जो वर्ष 2023 के 6,156 मामलों से कम है, लेकिन फिर भी प्रति माह 478 मौत दर्ज की गईं।

त्विषा, दीपिका और पलक इस सांख्यिकीय पहेली का एक छोटा सा हिस्सा थीं, लेकिन महत्वपूर्ण उदाहरण थीं। कानूनी ढांचा मौजूद है, लेकिन भारी देरी के कारण महिलाओं में विश्वास जगाने और सामाजिक मानदंडों को बदलने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होती है।

उनकी मृत्यु से नैतिक और कानूनी दोनों तरह के सवाल उठते हैं: उनके परिवार के लोग उन्हें घर क्यों नहीं ले जा सके? उन्होंने मदद क्यों नहीं मांगी? क्या कानून उनके पक्ष में नहीं है? क्या उन्हें कभी न्याय मिलेगा?

सालता है सवाल

विशेषज्ञों के अनुसार, जवाब से एक ऐसी सामाजिक संरचना का पता चलता है जो मनोवैज्ञानिक रूप से उन्हें तैयार करती है, शालीनता की अपेक्षाओं और सामाजिक शर्म के माध्यम से एक महिला की स्वायत्तता को प्रतिबंधित करती है, और एक कानूनी तंत्र जो मजबूत होने के बावजूद लंबित दहेज हत्या के मामलों के लगातार बढ़ते ढेर और कम दोषसिद्धि दरों से बोझिल है।

फॉरेंसिक मनोवैज्ञानिक डॉ. दीप्ति पुराणिक कहती हैं, ऐसा नहीं है कि फिलहाल मैं बाहर नहीं निकल सकती, मैं निकल सकती हूं। मेरे पास पैसा है और सब कुछ है। बात बस इतनी सी है कि 'क्या मेरे पास बाहर निकलने का विकल्प है?' 'क्या लोग मुझे स्वीकार करेंगे?' तो भले ही आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करते हों, लेकिन क्या आप मानसिक रूप से स्वतंत्र महसूस करते हैं? मुंबई के नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की एसोसिएट प्रोफेसर पुराणिक ने कहा, फिर परिवार और बच्चों जैसे कारक भी हैं। तो क्या व्यक्ति वास्तव में बाहर निकलने का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है... यह अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न बन जाता है।

उनके अनुसार, महिलाओं को विवाह संबंधी कुछ ऐसी मान्यताओं के साथ पाला-पोसा जाता है जो उन्हें विषाक्त विवाहों से बाहर निकलने में मानसिक रूप से असमर्थ बना देती हैं। सामाजिक कलंक के इसी जाल में फंसी होने के कारण, माता-पिता भी अक्सर कोई खास मदद नहीं करते।

तीनों महिलाओं के विवाह के शुरुआती दिनों में ही निराशा छा गई, और मृत्यु से पहले के घंटों और दिनों में प्रत्येक ने अपने परिवार से संपर्क साधा।

पांच महीने की तनावपूर्ण शादी के बाद 12 मई को त्विषा अपने ससुराल में फंदे से लटकी हुई पाई गई। उसी दिन, उसी तरह, पलक ने ग्वालियर में शादी के एक साल के भीतर आत्महत्या कर ली। पांच दिन बाद, सैकड़ों किलोमीटर दूर, 17 मई को, दीपिका ने कथित तौर पर अपने ससुराल वालों के ग्रेटर नोएडा स्थित घर से कूदकर जान दे दी। इससे पहले उसके माता-पिता उसकी फोन कॉल के बाद उनमें सुलह कराने की कोशिश के लिए ससुराल भी गए थे।

दौरा

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी रविवार को खोर्धा के इडको इंडस्ट्रियल एस्टेट में 'एपिक ग्रुप' की कंपनी 'ट्राइमेट्रो गारमेंट्स' के दौरे के दौरान।

वैश्विक स्तर पर सौम्य शक्ति के रूप में उभर रहा है योग: आयुष सचिव

नई दिल्ली/भाषा। योग भारत की सांस्कृतिक पहुंच और वैश्विक सौम्य शक्ति के सबसे प्रभावशाली माध्यमों में से एक बनकर उभरा है, वहीं जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से मुकाबले में यह एहतियाती स्वास्थ्य देखभाल के एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में भी स्थापित हुआ है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने यह बात कही। इक्कीस जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले कोटेचा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि योग को अब केवल पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से समर्थित जनस्वास्थ्य हस्तक्षेप के तौर पर भी तेजी से मान्यता मिल रही है, जिसे दुनिया भर में स्वास्थ्य प्रणालियों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और डिजिटल मंचों में एकीकृत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, योग भारत की सांस्कृतिक पहुंच और वैश्विक सौम्य शक्ति के सबसे प्रभावशाली माध्यमों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, 190 से अधिक देशों में इसकी स्वीकृति इसकी उस सार्वभौमिक प्रासंगिकता को दर्शाती है, जो भौगोलिक सीमाओं, भाषा और संस्कृति से परे है।

चीन-नेपाल की टीम ने एवरेस्ट चोटी पर जमी बर्फ के नमूने निकाले

बीजिंग/भाषा। चीन और नेपाल के संयुक्त वैज्ञानिक अभियान दल ने अति-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों को समझने के लिए पहली बार माउंट एवरेस्ट के शिखर पर जमी बर्फ के नमूने प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। संयुक्त अभियान के सदस्यों ने 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर जमी बर्फ में 'ड्रिलिंग' कर वैज्ञानिक अध्ययन के लिए नमूने प्राप्त किए। चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक, अभियान दल को बृहस्पतिवार को शिखर से पहली बार बर्फ के केंद्र से नमूना प्राप्त करने में करीब दो घंटे का समया लगा। अखबार ने कहा कि टीम ने नीचे उतरते समय कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों से भी बर्फ के नमूने एकत्र किए। 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक, इन नमूनों को कम तापमान पर संरक्षित रखने की स्थिति में प्रयोगशालाओं में ले जाया जाएगा ताकि दुनिया के सबसे ऊंचे क्षेत्र में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों, 'क्रायोस्फीयर' के विकास और अत्यधिक ऊंचाई पर वायुमंडलीय रिकॉर्ड पर अध्ययन किया जा सके। अखबार ने चीनी वैज्ञानिकों के हवाले से कहा कि एकत्रित नमूनों से अनुसंधानकर्ताओं को अति-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों, भारतीय मानसून के प्रभाव की सीमा, अति ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्रदूषकों के परिवहन मार्गों और माउंट एवरेस्ट के उत्तरी और दक्षिणी ढलानों के बीच जलवायु प्रतिक्रियाओं में अंतर को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

ऑपरेशन थिएटर से कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर पहुंची सोनल

जोधपुर/एजेन्सी

जोधपुर की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ, फैशन आइकन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर डॉ. सोनल परिहार ने जोधपुर में ऑपरेशन थिएटर से लेकर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 के रेड कार्पेट तक का सफर तय किया है। जोधपुर में मेडिकल प्रोफेशन से जुड़ी डॉ. सोनल परिहार ने अपनी पहचान केवल एक डॉक्टर के रूप में नहीं बनाई, बल्कि फैशन, मोटिवेशन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। मिसेज इंडिया और अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी प्लेटफॉर्म्स पर अपनी सफलता के बाद अब वे फ्रांस में आयोजित प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत और राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। कान्स के रेड कार्पेट पर डॉ. सोनल परिहार की ड्रेसिंग थीम खास तौर पर राजस्थान की सांस्कृतिक झलक और ग्लोबल फैशन का मिश्रण को

प्रदर्शित करने वाली रही। कान्स फिल्म फेस्टिवल के दौरान दो दिन के इवेंट में डॉ. सोनल परिहार ने अपने अलग-अलग लुक्स के जरिए भारतीय शिल्पकला, सांस्कृतिक विरासत और स्त्री शक्ति को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया। प्राशिक पुष्पलता सुखनंदन और इनीत रांधावा की कंप्यूटर पार्ट्स से बनाई विशेष परिधान में सोनल अनुपयोगी हो चुके कढ़ाई मशीनों के हिस्सों से तैयार ड्रेस में नजर आईं। यह लुक पारंपरिक हस्तकला और मशीन आधारित फैशन के बीच के संघर्ष को दर्शाता था। उनके परिधान के साथ लगाए गए लकड़ी के कंधे के घेरे पारंपरिक भारतीय कढ़ाई फ्रेम से प्रेरित थे, जिन्होंने भारतीय कारीगरों की सदियों पुरानी कला को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया। रेड कार्पेट पर उनका दूसरा भारी कढ़ाई वाला परिधान भारत की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित था। इस ड्रेस में खिलते बगीचों, बहती नदियों और धरती की प्राकृतिक खूबसूरती को बारीक हाथ की कढ़ाई के जरिए उकेरा गया था। इस परिधान पर की गई घंटों की हस्तकला भारतीय कारीगरों की जीवित विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करती नजर आई।

उनके सिर पर सजाए गए विशेष आभूषण में बने देवदूत मातृत्व और उनके स्त्री रोग विशेषज्ञ होने के भाव को दर्शा रहे थेएक ऐसी महिला, जो हर दिन नए जीवन को दुनिया में आने में मदद करती है।वहीं सोनल का तीसरा लुक पूरी तरह राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को समर्पित रहा।

मैथिली ठाकुर के सुरों का जादू देख गदगद हुईं अक्षरा सिंह, सोशल मीडिया पर लुटाया प्यार

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह शनिवार को अपने पिता संग मुंबई में आयोजित मैथिली ठाकुर के लाइव म्यूजिक कंसर्ट का हिस्सा बनी। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की कुछ झलक उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में दोनों कलाकारों के बीच बॉन्डिंग साफ देखने को मिल रही है।

पहली तस्वीर में अक्षरा सिंह और मैथिली ठाकुर मुस्कराते हुए सेल्फी लेती नजर आ रही हैं, तो दूसरी में मैथिली के भाई और अभिनेत्री अक्षरा सिंह के पिता नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने तस्वीर पोस्ट करते हुए मैथिली की सराहना की। उन्होंने लिखा, आज मुंबई में माननीय विधायका व अपनी छोटी बहन मैथिली ठाकुर, अयाची व ऋषभ का लाइव शो देखने का मौका मिला। शानदार प्रस्तुति देखकर दिल खुश हो गया। इतनी कम उम्र में मेहनत, कला और सफलता को देखकर बहुत गर्व महसूस होता है। नए टूर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर करे तुम यूं ही नई ऊंचाइयां हासिल करती रहो और इतनी ही सहज बने रहना।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा का जाना-माना नाम हैं और अब वे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ नए गाने में नजर आएंगी। अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार के साथ एक गाने में साथ काम करने की इच्छा जाहिर करते हुए शुक्रवार को वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने कहा था कि भोजपुरी गाने में साथ काम करने के लिए आप बस समय और जगह बता दीजिए, हम आ जाएंगे। वहीं, अक्षय कुमार ने भी बड़े भाव से अभिनेत्री की बात का मान रखते हुए उनकी वीडियो में प्रतिक्रिया दी थी। अक्षय ने कमेंट सेक्शन में लिखा था, ओह, फिर बात पक्की अक्षरा सिंह... 25 मई सोमवार सुबह 11:30 बजे सोशल मीडिया पर मिलते हैं। अक्षय कुमार बॉलीवुड का जाना-माना नाम हैं और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अपने अभिनय से खास पहचान रखते हैं।

वहीं, अक्षरा उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जो गायिकी से लेकर अभिनय तक अपने हुनर का लोहा मनवा चुकी हैं। अगर दोनों का गाना जल्द ही आता है, तो ये भोजपुरी इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ी बात होगी। हालांकि, गाने के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

भोपाल रवाना हुए एआर रहमान और रामचरण, 'पेड्डी' के गाने की लॉन्च से पहले दिखी शानदार बॉन्डिंग

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार रामचरण और ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'पेड्डी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर पहले ही जारी हो चुका है और अब इसके गाने को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

इसी बीच एआर रहमान ने इंस्टाग्राम पर एक खास तस्वीर साझा की, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर में रहमान और रामचरण साथ में भोपाल रवाना होते दिखाई दिए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीर में एआर रहमान और रामचरण एक चार्टर्ड फ्लाइट के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों कैमरे की तरफ देखते हुए पोज दे रहे हैं। वे फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में भोपाल के लिए रवाना हो रहे हैं। इस तस्वीर के साथ एआर रहमान ने एक छोटा सा कैप्शन लिखा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'पेड्डी के साथ भोपाल जा रहा हूं।' इसके साथ उन्होंने फिल्म और गाने के लॉन्च से जुड़े टैगिंग भी की।

बता दें कि फिल्म 'पेड्डी' का ट्रेलर कुछ दिन पहले रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। ट्रेलर में रामचरण का किरदार कई खेलों में माहिर होता है। वह कभी क्रिकेट खेलते नजर आते हैं, तो कभी कुश्ती लड़ते और तो कभी दौड़ लगाते दिखाई देते हैं। फिल्म में उनका किरदार अपनी मेहनत और ताकत के दम पर हर चुनौती को पार करता है। गांव के लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं।

हालांकि फिल्म की कहानी सिर्फ खेल तक सीमित नहीं है। ट्रेलर में आगे दिखाया जाता है कि जैसे-जैसे पेड्डी की लोकप्रियता बढ़ती है, वैसे-वैसे उसके दुश्मन भी बढ़ने लगते हैं। खासकर एक घमंडी जमींदार उसकी सफलता से जलने लगता है। इसके बाद कहानी में जबरदस्त टकराव देखने को मिलता है। फिल्म में कई बड़े एक्शन सीन्स भी शामिल हैं।

फिल्म में रामचरण के साथ जान्हवी कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा शिव राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। 'पेड्डी' फिल्म 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इम्तियाज अली की फिल्म में काम करके बदली शरवरी की सोच

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। वह फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। आईएएनएस ने जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।''

शरवरी ने कहा, ''फिल्म की दुनिया आज की भागदौड़ वाली जिंदगी से काफी अलग दिखाई गई है। यहां प्यार को बहुत सादगी, मासूमियत और सच्चाई के साथ दिखाया गया है। आज के समय में जहां रिश्तों में जल्दी और दिखावा ज्यादा देखने को मिलता है, वहीं इस फिल्म में प्यार को बहुत नाजुक

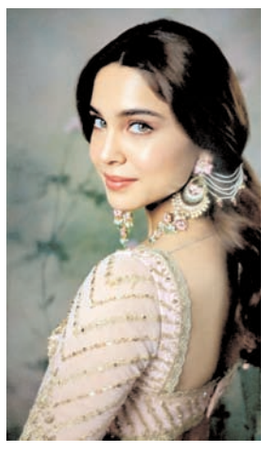

और दिल से जुड़ी भावना के रूप में दिखाया गया है। इस तरह की भावनाओं को निभाना मेरे लिए एक नया और खूबसूरत अनुभव था।''अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं।

वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।''उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है।

इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिर साथ दिख सकती है माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की सुपरहिट जोड़ी

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की मशहूर जोड़ी माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर ने 80 और 90 के दशक में कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर इस जोड़ी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने बताया कि आने वाले समय में माधुरी और अनिल कपूर एक बार फिर एक प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं। सुरेश त्रिवेणी इन दिनों अपनी नई सीरीज 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं। शो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह साल बेहद खास रहा, क्योंकि मुझे एक ही साल में दो बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। एक तरफ मैंने अनिल कपूर के साथ सीरीज 'सूबेदार' में काम किया, वहीं दूसरी तरफ अब मैं माधुरी दीक्षित के साथ 'मां बहन' में काम कर रहा हूं।

यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा अनुभव है।'' सुरेश

त्रिवेणी ने माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, मैं दोनों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाना चाहता हूं।

माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर कमाल लगती है, और अगर मुझे मौका मिला तो मैं जरूर दोनों को साथ लेकर कुछ नया बनाने की कोशिश करूंगा। अगर सब कुछ सही रहा तो दर्शकों को यह सुपरहिट जोड़ी फिर से देखने को मिल सकती है।

सुरेश त्रिवेणी की इस बयान पर वहां मौजूद लोगों ने जमकर तालियां बजाईं और अपनी खुशी जाहिर की।

अगर माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की फिल्मों की बात करें तो दोनों ने बॉलीवुड को कई यादगार फिल्में दी हैं।

'बेटा', 'तेजाब', 'राम लखन', 'परिंदा' और 'धमाल 4' जैसी फिल्मों में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इन फिल्मों के गाने, डायलॉग और दोनों की केमिस्ट्री आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। वहीं, सुरेश त्रिवेणी की नई सीरीज 'मां बहन' भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। इस शो का ट्रेलर 22 मई को रिलीज किया गया था। यह शो 4 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

'दृश्यम' की अभिनेत्री अंसीबा हसन ने टिनी टॉम पर 'चरित्र हनन' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। मलयालम अभिनेत्री अंसीबा हसन ने शनिवार को साथी अभिनेता टिनी टॉम व कलाकारों के संगठन एएमएमए के कुछ सदस्यों पर चरित्र हनन और सांप्रदायिक दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। अभिनेत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें संगठन से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। 'दृश्यम' की अभिनेत्री ने दावा किया कि संगठन के एक अन्य सदस्य ने उन्हें बताया था कि टॉम ने उन्हें जिहादी करार दिया था, उन पर मतांतरण का प्रयास करने का आरोप लगाया था और उनके निजी जीवन के बारे में अफवाहें फैलाई थीं। अभिनेत्री ने यह सवाल भी उठाया कि क्या उन्हें उनकी मुस्लिम पहचान के कारण निशाना बनाया जा रहा है। अभिनेत्री ने विभिन्न टेलीविजन चैनलों से बात करते हुए ये आरोप लगाए।

हसन ने कहा कि उन्होंने 21 फरवरी को 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' (एएमएमए) को अपना इस्तीफा सौंप दिया था, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत कारणों और काम के दबाव का हवाला दिया था, लेकिन उन्होंने निजी तौर पर संगठन के सचिव को अपने फैसले के पीछे के वास्तविक मुद्दों के बारे में सूचित किया था। उन्होंने दावा किया कि एएमएमए की

कार्यकारी समिति की एक महिला सदस्य ने उनके खिलाफ झूठी पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया कि विवाद के दौरान न तो संगठन के अध्यक्ष और न ही अन्य जिम्मेदार पदाधिकारियों ने उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने दावा किया, मैं गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रही हूं।

मेरे खिलाफ चरित्र हनन का एक बेहद घिनौना अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि वह कानूनी कार्रवाई करने की इच्छुक नहीं थीं। इसी बीच, अभिनेत्री प्रियंका ने टॉम के समर्थन में आकर कहा कि जिस व्यक्ति ने कोई गलती नहीं की है उसे दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कोच्चि में कहा, हसन की जो भी समस्याएं थीं, उन पर एएमएमए के भीतर ही चर्चा होनी चाहिए थी। ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए संगठन में निर्वाचित प्रतिनिधि मौजूद हैं। आरोपों को खारिज करते हुए टॉम ने हालांकि कहा कि हसन के दावे सुनी-सुनाई बातों पर आधारित थे। उन्होंने मीडिया से कहा, किसी और ने कहा है कि मैंने उसके खिलाफ ऐसी टिप्पणी की है...उसने यही कहा था... मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो ईमानदारी से काम करता है और खुलकर बोलता है। अभिनेता ने आगे कहा कि एएमएमए की कार्यकारी समिति इस मामले पर उचित निर्णय लेगी। हसन ने हाल ही में मलयालम फिल्म कलाकारों के संगठन एएमएमए की कार्यकारी समिति से इस्तीफा दे दिया, जहां वह संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत थीं।

मायुमं सेन्ट्रल के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 250 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा एसएनएन राज लेकव्यू अपार्टमेंट में शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 250 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस शिविर जनरल हेल्थ चेकअप, नेत्र परीक्षण, डेंटल चेकअप, बॉडी कंपोजिशन एवं डाइट कंसल्टेशन, स्त्री रोग विशेषज्ञ परामर्श सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर की संयोजिका पूजा भोटिका, अध्यक्ष आयुष भिमसारिया, सचिव विष्णु गोपाल सिंघल ज़सहित अन्य पदाधिकारियों ने शिविर की व्यवस्था संभाली। इस शिविर में अनुभवी डॉक्टरों एवं विशेषज्ञों की टीम ने लोगों का परीक्षण कर आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया।

कुन्दनमल गन्ना बने यशवंतपुर तेरापंथ सभा के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ सभा यशवंतपुर की वार्षिक साधारण सभा रविवार को अध्यक्ष सुरेश बरड़िया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया। सहमंत्री सुनील बाबेल ने गत साधारण सभा बैठक की कार्यवाही का वाचन किया। बरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए आचार्यश्री, साध्वीप्रमुखाश्रीजी एवं विगत दो वर्षों में बेंगलूरु पधारी विभिन्न साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। दो वर्ष के कार्यों की गति-प्रगति का ब्यौरा मंत्री अनिल दक ने दिया। कोषाध्यक्ष निर्मल बाफना ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।

ज्ञानशाला संयोजिका मीनाक्षी दक ने ज्ञानशाला एवं जैन विधा की संक्षिप्त जानकारी दी। विभिन्न सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त किए।

चुनाव सहयोगी अधिकारी गौतमचंद मुथा ने वर्ष 2026-28 के अध्यक्ष पद हेतु सदन की सहमति से अध्यक्ष के रूप में कुन्दनमल गन्ना के नाम की घोषणा की। सुरेश बरड़िया व उनकी टीम ने नए अध्यक्ष का सम्मान किया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि गुरु इंगित की आराधना करते हुए सबको साथ में लेकर सदस्यों में आध्यात्मिकता का पोषण होता रहे ऐसी भावना से पूर्ण निष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करने का सम्यक प्रयास करूंगा। मंत्री अनिल दक ने संचालन करते हुए साधु साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

जीतो के 'शार्क एंजेल-3.0' में 10 करोड़ रुपए के निवेश को मिली स्वीकृति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ द्वारा एक होटल में 'शार्क एंजेल-3.0' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्टार्टअप्स के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए के निवेश को स्वीकृति मिली। नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम लंबे समय से विचाराधीन था और इसका उद्देश्य जैन समाज के निवेशकों को एक मंच पर लाकर जैन उद्यमियों के व्यापार एवं स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री विजय सिंघवी ने किया। संयोजक कमल पुनमिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि शार्क एंजेल एक ऐसा मंच है, जहां निवेशक अपने निवेश का बेहतर उपयोग कर सकते हैं और उभरते हुए व्यवसायों को नई दिशा मिलती है। अपेक्स डायरेक्टर शैलेश हरण ने भी कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में शार्क्स के रूप में शिखा हरण भंडारी, विकास डी. नाहर, निर्मल कुमार जैन, सुयश सुराना जैन और ओम जैन उपस्थित थे। विभिन्न स्टार्टअप्स ने अपने प्रेजेंटेशन दिए, जिनमें मेडिलेंस को 75 लाख रुपए, एक्सीडिओ को 3 करोड़ रुपए, बैटर न्यूट्रीशन को 4.35 करोड़ रुपये के साथ अतिरिक्त 1 करोड़ रुपए ऑडियंस निवेश तथा बनाना क्लब को 70 लाख रुपए का निवेश प्राप्त हुआ। इसके अलावा एलआईटी स्कूल और न्यूटिकल विंग ने भी सहभागिता की। कुल मिलाकर कार्यक्रम में लगभग 10 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य प्रायोजक एलआईटी स्कूल के अरिहंत जैन एवं सहप्रायोजक केके एलायंस के कमल पुनमिया का सम्मान किया गया। वहीं ग्रोथ पार्टनर के रूप में माणकचन्द बलदोटा, दीपक श्रीश्रीमाल, अनिल सेठी एवं राजू कोठारी की सहभागिता रही। शार्क एंजेल कार्यक्रम का संचालन विकास जैन ने किया। सहसंयोजक मदन मुणोत ने सभी को धन्यवाद दिया।

तेरापंथ सभा आडगुड़ी के नए अध्यक्ष बने कन्हैयालाल सिंघी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को स्वर्णमाला पोकरना की अध्यक्षता में हुआ। अध्यक्ष स्वर्णमाला पोकरना ने सभी का स्वागत किया। मंत्री राजेन्द्र पोखरना ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष कांतिलाल संचेती ने विगत वर्ष का आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। चुनाव अधिकारी राजेन्द्र बैद ने चुनावी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए वर्ष 2026-28 हेतु अध्यक्ष पद के लिए कन्हैयालाल सिंघी के नाम की घोषणा की।

महासभा से सभा प्रभारी नवनीत मुथा ने आडगुडी सभा के नए अध्यक्ष को बधाई दी। नए अध्यक्ष ने अपने प्रथम अध्यक्षीय वक्तव्य में सभा के कार्यों में सभी सदस्यों से सहयोग की अपील की। मंत्री राजेन्द्र पोखरना ने धन्यवाद दिया। सभा का संचालन सुभाष डागा ने किया ।

कोयंबटूर बच्ची हत्या मामला: मुख्यमंत्री विजय ने बच्ची के परिवार से बात की

सालेम/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने कोयंबटूर की उस 10 वर्षीय बच्ची के परिजन से फोन पर बात की, जिसका कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के बाद हत्या कर दी गई थी।बच्ची की दादी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।बच्ची की दादी ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री ने परिवार से बात की ।

बसवनगुड़ी में मूक प्राणियों के लिए 'रोटी दान' कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनदत्तकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा मंडल एवं आसरा संस्था द्वारा मूक प्राणियों को रोटी दान कार्यक्रम के तहत अनेक परिवारों से गौमाता के लिए रोटियां प्राप्त हुईं। सेवा मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि पक्षाल ढेलरिया, हरीश ढेलरिया, विकास बच्छावत, अर्चित पारख सहित अनेक लोगों ने अबोल गायों को अपने हाथों से रोटियों और खाखरे खिलाए। मंडल के अध्यक्ष अरविंद कोठारी ने सेवा प्रदान करने वाले सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

टीपीएफ सेन्ट्रल शाखा की साधारण सभा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम(टीपीएफ) बेंगलूरु सेंट्रल शाखा की साधारण सभा शनिवार को गांधीनगर भवन में राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत माण्डोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में टीपीएफ के दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष विक्रम कोठारी, दक्षिण क्षेत्र सचिव भरत भंसाली सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। शाखा के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री वर्षा जैन ने पूरे साल में हुए कार्यक्रमों की एक रिपोर्ट की प्रस्तुति की।

कोषाध्यक्ष आकाश गादिया ने आय व्यय का ब्यौरा दिया। इस मौके पर विभिन्न पूर्व पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में लगभग 50 सदस्यों ने भाग लिया। सहमंत्री सूरज जीरावाला ने धन्यवाद दिया।

देश के विभिन्न राज्यों की महिला प्रतिभागियों ने भजन संध्या प्रतियोगिता में लिया भाग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता को समर्पित संस्था 'भारत भारती' के तत्वावधान में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में बेंगलूरु में महिला भजन संध्या प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय लघु मध्यम व छोटे उद्योग राज्यमंत्री व कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. नागलक्ष्मी चौधरी ने किया। इसके अलावा मैसूर राजपरिवार की राजमाता प्रमोदा देवी वाडियार, समाजसेवी छाया नंजप्पा, राधा कोल्ली तथा शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. सरस्वती हेगड़े भी विशिष्ट उपस्थिति थी। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मास्टर ऑफ म्यूजिक एकेडमी के संस्थापक धर्मिल शाह, कर्नाटक संगीत विशेषज्ञ दिव्या होसूर तथा विदुषी विजया भट्ट शामिल थे। प्रतियोगिता में कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, गुजरात और बिहार सहित विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व रहा।

सामाजिक सुरक्षा के बिना धार्मिक उन्नति का अर्थ नहीं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगावती। स्थानीय मनवांछित पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में रविवार कोसीबीएस कला मंदिर में उत्तर कर्नाटक के अनेक जैनसंघों के प्रतिनिधियों की सामूहिक सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में धार्मिक-आध्यात्मिक उन्नति के साथ सामाजिक सुरक्षा भी आवश्यक होती है। हम धर्म और धार्मिकता का चाहे कितना भी यशोगान करें, सामाजिक स्वाभिमान और सुरक्षा के बिना उनका कोई महत्व नहीं है। वक्त पर धर्म और धन हमारी रक्षा करेगा, ऐसा मानकर चलना सबसे बड़ी भूल है। धर्मग्रंथों में तो यह लिखा है कि तुम धर्म की रक्षा करो, धर्म तुम्हारी रक्षा करेगा।

माना कि धन-संपदा जीवनयापन के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती हैं, लेकिन जीवन, परिवार, समाज, धर्म और संपत्ति की सुरक्षा के लिए तो आपकी सामाजिक एकता, उसके प्रति गहरी निष्ठा, जनसंख्या का बल और शक्तियों का सामूहिक विकास जरूरी हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि समाज के लिए यह संक्रमण काल है। आने वाले पच्चीस वर्ष बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये ही हमारे भविष्य का नीति-निर्धारण करेंगे। हम, हमारी संस्कृति और हमारा इतिहास बचेंगे या समाप्त होंगे, यह सब अब निर्णायक मोड़ पर है। भविष्य में वही समाज सुरक्षित रहेगा जो जुआ और व्यसन से मुक्त रहकर, कुरीतियों को समाप्त कर संगठित विकास करेगा।

जैन संघ के निर्मल श्रीश्रीमाल ने बताया कि धर्मसभा के बाद जैन संघ की ओर से सालेचा स्वाध्याय भवन में 15 वर्ष से बड़े अविवाहित युवक-युवतियों के लिए युवा सेमिनार का समाजोपयोगी आयोजन किया गया।

सम्मान दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु प्रवास पर आए बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार मांझी कर्नाटक बिहारी समाज के केम्पापुरा कॉफी लेआउट पहुंचे तथा कार्यालय में कर्नाटक बिहारी समाज के संस्थापक उदय सिंह से मुलाकात कर बेंगलूरु में रह रहे बिहारियों के बारे में जाना। देवेन्द्रकुमार ने बिहार समाज की एकजुटता की सराहना करते हुए आवश्यकता पड़ने पर कर्नाटक में रह रहे बिहारियों की हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। समाज के अध्यक्ष प्रो.विनय कुमार यादव, हीरालाल मंडल ,अमरेश झा, रमाशंकर सिंह ने विभिन्न जानकारी दी तथा देवेन्द्र मांझी का सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मौन मार्च

बेंगलूरु के बेगूर जैन समाज के लगभग 45 श्रद्धालुओं ने आर्यिका माताजी दुर्घटना प्रकरण में निष्पक्ष जांच एवं संत सुरक्षा की मांग को लेकर बेगूर से लेकर हुलिमावु पुलिस स्टेशन तक मौन मार्च निकाला। समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

समय रहते कर्मों को धो डालो, वरना कर्म तुम्हें धो डालेंगे : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में रविवारीय प्रवचन में डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने मानव जीवन के चरम लक्ष्य, संसार की नश्वरता और कर्मों के गहन दर्शन पर विशेष प्रवचन दिया। उन्होंने संसार के सबसे बड़े और कड़वे सत्य का बोध कराते हुए कहा कि इंसान जीवन भर जिन भौतिक वस्तुओं, धन-दौलत और रिश्तों को मुट्ठी में कसकर पकड़े रहता है, मृत्यु का एक ही झटका उन सबको हमेशा के लिए छीन लेता है। मौत के आते ही इस संसार का सब कुछ यहीं धरा रह जाएगा। जब यह तय है कि संसार, परिवार और पद एक दिन तुम्हें छोड़ ही देंगे, तो समझदारी और बुद्धिमानी इसी में है कि उनके छूटने से पहले तुम स्वयं अपनी 'आसक्ति' को छोड़ दो। जो सब कुछ छिन जाने का इंतज़ार कर रहा है, वह घोर अज्ञान में जी रहा है।ज़ज़संतश्री ने श्रोताओं को चेताते हुए कहा, तुम्हें कर्म का नहीं, धर्म का त्यागी बनना है। इससे पहले कि तुम्हारे पाप कर्म आकर तुम्हें लाचार कर दें और तुम्हारी संपदा छुड़ा दें, तुम स्वयं धर्म के मार्ग पर चलकर उनका त्याग कर दो, इसी में तुम्हारा आत्मकल्याण है। मानव जन्म के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मुनिश्री ने अत्यंत कड़े और ओजस्वी शब्दों में चेतावनी दी। यह दुर्लभ मानव भव तुम्हें मौज-मस्ती करने या कोठियां खड़ी करने के लिए नहीं, बल्कि अपने अनंत जन्मों के 'कर्मों की धुलाई' करने के लिए मिला है। या तो समय रहते तप और धर्म-ध्यान रूपी जल से अपने कर्मों को धो डालो, वरना यह अटल सत्य याद रखना कि यदि कर्मों को मौका मिल गया, तो वे तुम्हारी ऐसी धुलाई करेंगे कि तुम कहीं के नहीं रहोगे। तुम्हारे जीवन का केवल वही समय 'सार्थक' है जो धर्म की आराधना में बीता है, इसलिए अपनी संपूर्ण जीवनशैली को धर्म के साँचे में ढाल लो। संसार की अंधी दौड़ और मृगतृष्णा पर गहरा कटाक्ष करते हुए मुनिश्री ने कहा, तुम इस संसार को खुश करने के लिए चाहे अपना कितना भी समय दे दो, अपनी पूरी जिंदगी लुटा दो, यह संसार तुमसे कभी तृप्त और खुश नहीं होगा। केवल खाना, पीना, सोना और परिवार बढ़ाना- यह तो पशु जगत भी कर रहा है। यदि हम भी केवल संसार की ही देखा-देखी जीवन जिएंगे, तो फिर हममें और एक पशु में क्या अंतर रह जाएगा? यह संसार तुम्हें कभी धर्म करने के लिए 'समय' निकालकर नहीं देगा, तुम्हें स्वयं अपने मोक्ष के लिए समय चुराना होगा। ज़ज़संतश्री ने मोक्ष का अमोघ मंत्र देते हुए कहा कि यह संसार एक भयंकर व्याधि है और इस रोग से सर्वथा मुक्त करने की एकमात्र अचूक औषधि 'सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र' ही है। अंत में हीराबाग संघ की अध्यक्ष डॉ भीकमचंद सकलेचा ने संतों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। मंत्री अशोक बांठिया द्वारा महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रसारित की।

एनिमल वेलफेयर के सदस्यों ने मूकप्राणियों को बचाने का किया प्रयास, रहे विफल

अज्ञात लोगों ने किया एनिमल एक्टिविस्टों पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एनिमल वेलफेयर वर्कर्स समूह के सदस्यों ने एक शेड में अनैतिक रूप से रखे गए मूक प्राणियों को छुड़ाने का अथक प्रयास किया परंतु विफल रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर संजय कुलकर्णी व मंजुनाथ को अपने सूत्रों से पता चला कि होसकोटे के पास अनुगोंदनहल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित मेडिमल्लासांद्रा गांव में बकरीद त्योहार से पहले 100 से ज़्यादा गायों और लगभग 20 ऊंटों को गैर-कानूनी तरीके से अमानवीय हालात में एक शेड में रखा गया है। जानवरों को बिना खाना, पानी, रहने की जगह और कानूनी पहचान के कागज़ात के गैर-कानूनी तरीके से बूचड़खाने ले जाने की कोशिश की जा रही है। शुक्रवार को एनिमल वेलफेयर एक्टिविस्ट्स ने अनुगोंदनहल्ली पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें तुरंत बचाव अभियान और अलग-अलग एनिमल प्रोटेक्शन कानूनों के तहत कार्रवाई की मांग की गई थी। ज्ञातव्य है कि इसी इलाके में पहले भी ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों के बारे में पुलिस में शिकायतें दर्ज कराई गई थीं पर उन पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। संजय कुलकर्णी की शिकायत के मुताबिक पुलिस शिकायत करने वाले को शनिवार रात करीब 11:40 बजे उस जगह पर ले गई, जहां कथित तौर पर गायों और ऊंटों को शेड के अंदर छिपाकर रखा गया था, पर उस कथित जगह से उन जानवरों को हटाया जा चुका था। स्वयंसेवकों ने बताया कि एक और जगह है जहां जानवरों को छिपाकर रखा गया था, वह एक प्लाईवुड फैक्ट्री के पास थी। बाद में तथाकथित गैरकानूनी बूचड़खाने के माफिया के कथित सदस्य बड़ी संख्या में उस जगह पर जमा हो गए और कथित तौर पर एक्टिविस्ट को पहचान लिया। जब पुलिस पूरी घटना का वीडियो बना रही थी, तो अज्ञात लोगों ने जीवदयाप्रेमियों व पुलिस पर हमला कर दिया। ज़ज़प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपियों ने एक्टिविस्टों को घेर लिया, उन्हें धमकाया, गालियां दीं और धारदार हथियारों से हमला किया। बताया गया कि इस हमले से संजय कुलकर्णी और एक अन्य स्वयंसेवक के सिर, चेहरे, गर्दन, पीठ पर हमला किया गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना स्थल पर ऐसी स्थिति पैदा हो गई कि घायल एक्टिविस्ट को हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। कई आरोपी मौके से भाग गए और एनिमल एक्टिविस्टों मूक प्राणियों को बचाने में विफल हो गए।

एनिमल एक्टिविस्टों ने फिर एक पुलिस शिकायत कर अज्ञात हमलावारों के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई तथा मूकप्राणियों को बूचड़खाने जाने से बचाने का निवेदन किया। एनिमल एक्टिविस्टों ने पुलिस से निवेदन किया कि इंडियन पैनल कोड और एनिमल प्रोटेक्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाए तथा जानवरों को छुड़वाने की पुरजोर कोशिश की जाए। मांग की गई कि कर्नाटक सरकार, सीनियर पुलिस अधिकारी, एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ़ इंडिया और न्यायपालिका तुरंत दखल दें और आरोपियों को गिरफ्तार करें, ताकि जानवरों की रक्षा हो सके।

केरल के मुख्यमंत्री ने गुरुवायूर मंदिर में पूजा-अर्चना की

गुरुवायूर (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने रविवार को यहां के प्रसिद्ध गुरुवायूर श्री कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की।गुरुवायूर देवस्वोम द्वारा फेसबुक पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मक्खन चढ़ाकर पारंपरिक 'तुलाभारम' अनुष्ठान भी किया।पोस्ट में कहा गया है कि पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री की यह मंदिर की पहली यात्रा थी।सतीशन सुबह करीब सात बजे मंदिर पहुंचे, जहां देवस्वोम के अध्यक्ष ए वी गोपीनाथ और प्रशासक ओ बी अरुण कुमार ने उनका स्वागत किया। देवस्वोम के अध्यक्ष ने शॉल भेंट करके उनका अभिनंदन किया।पोस्ट में बताया गया है कि तुलाभारम के लिए लगभग 71 किलोग्राम मक्खन का इस्तेमाल किया गया।मुख्यमंत्री हर महीने एक बार मंदिर आते हैं।बाद में, सतीशन ने मंदिर परिसर में राजस्व मंत्री ए पी अनिल कुमार के बेटे के विवाह समारोह में भी भाग लिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**